

पीएम मोदी ने लद्दाख को दी 3350 करोड़ रुपए की सौगात, बोले- नई पीढ़ी पर सरकार का स्पेशल फोकस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख के लिए गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पांच बड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आज लद्दाख की प्रगति और विकास में एक और अध्याय जुड़ रहा है। मुझे खुशी है कि मैं टैक्नोलॉजी के माध्यम से इस अवसर का हिस्सा बन रहा हूं। आज लद्दाख में कई अहम विकास परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। इनसे कई लोगों का सफर आसान होगा, कहीं बिजली की सुविधाएं बेहतर होंगी, कहीं पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और हमारी प्राचीन विरासत के संरक्षण को भी नई ताकत मिलेगी।

पीएम मोदी ने लद्दाख के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि मैं इन परियोजनाओं के लिए लद्दाख के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं इन प्रोजेक्ट्स में लगे सभी इंजीनियरों, श्रमिकों और स्थानीय साथियों को भी बधाई देता हूं। मैं बीआरओ के साथियों की भी विशेष सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री ने लेह के कुशोक बकुला रिम्पोची हवाई अड्डे के नए पैसेंजर टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने ही कुछ समय पहले इसकी आधारशिला रखी थी। पीएम मोदी ने बताया कि भारत में जियोथर्मल हीटिंग की सुविधा वाला ये देश का पहला एयरपोर्ट टर्मिनल है। हमारा प्रयास है कि लद्दाख में



आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो और यहां के पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाए। यह टर्मिनल लगभग 650 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसकी एक और खास विशेषता

यह है कि लद्दाख की कठोर जलवायु को ध्यान में रखते हुए इसके निर्माण में जियोथर्मल टैक्नोलॉजी के साथ-साथ सोलर एनर्जी का भी उपयोग किया गया है। इससे हवाई अड्डे की

सालाना यात्री क्षमता 10 लाख से बढ़कर 35 लाख हो जाएगी, जबकि प्लाइट्स की संख्या भी तीन गुना तक बढ़ सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आधुनिक एयरपोर्ट टर्मिनल से लद्दाख में टूरिज्म सेक्टर को भी नई ऊर्जा मिलेगी। जिन अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, उनमें निम्नू-पद्मु-दारचा सड़क भी शामिल है, जिस लद्दाख के लोगों को समर्पित किया गया है। इस सड़क पर करीब 2,500 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसका निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जिस सफर में करीब 12 घंटे लगते थे, वो अब लगभग 3 घंटे में पूरा हो सकेगा।

इससे यात्रा का समय भी बचेगा और इस रोड से व्यापार और कारोबार को भी अधिक मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें श्रीनगर और लेह को जोड़ने वाली पावर ट्रांसमिशन लाइन की आधारशिला रखने और उद्घाटन का सौभाग्य मिला था और आज सानोका हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट और उससे जुड़ी ट्रांसमिशन लाइन का भी उद्घाटन किया गया है। सरकार का विशेष ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है। यहां के युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले, नई टैक्नोलॉजी सीखने का अवसर मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। लेह में इसलिए एक बड़ा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन रहा है।

पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों को स्कूप करवाएं, प्रदूषण कम करने में सहयोग करें

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एनसीआर क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशेष पहल की शुरुआत की है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों को तुरंत स्कूप कराने का समय आ गया है। पुराने वाहन न केवल अत्यधिक वायु प्रदूषण फैलाते हैं, बल्कि ये चलाने में अधिक खर्चीले और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी असुरक्षित होते हैं। सरकार ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ एनसीआर और हरित भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देते हुए अपने 10 साल पुराने डीजल तथा 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नजदीकी पंजीकृत वाहन स्कूपिंग सुविधा केंद्रों (आरवीएसएफ) पर ले जाकर स्कूप करवाएं और नए स्वच्छ वाहनों को अपनाएं। आरवीएसएफ केंद्रों पर सुरक्षित स्कूपिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे कम प्रदूषण के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और वाहनों की उपयोगी सामग्री का रिसाइलिंग संभव हो सकेगा। प्रवक्ता ने आगे यह भी बताया कि यदि लोग अपने इन पुराने वाहनों को जल्द से जल्द आरवीएसएफ केंद्रों पर ले जाकर स्कूप नहीं कराते हैं, तो नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। स्वच्छ एनसीआर और हरे-भरे कल के सपने को साकार करने के लिए सरकार ने नागरिकों से अपने पुराने वाहनों को जिम्मेदारी से स्कूप कराने और इस मुहिम में सहयोग देने का आग्रह किया है।

राजपाल यादव को सुप्रीम राहत, मध्यस्थता के लिए भेजा चेक बाउंस केस; 2 करोड़ चुकाए

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अभिनेता की ओर से 2 करोड़ रुपये जमा किए जाने के बाद शीर्ष अदालत ने बकाया रकम के भुगतान को लेकर विवाद को मध्यस्थता के लिए भेज दिया। कोर्ट ने दोनों पक्षों से आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की कोशिश करने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमात्य बागची की पीठ ने कहा कि दोनों पक्ष सुप्रीम कोर्ट के मध्यस्थता के पक्ष में मामले को सुलझाने की संभावनाएं तलाशें। इतना ही नहीं, अदालत ने राजपाल यादव को विदेश में पेशेवर काम के सिलसिले में यात्रा करने के लिए अपना पासपोर्ट जारी कराने की अनुमति मांगने की छूट भी दी है। इस पर ट्रायल कोर्ट की ओर से लगाई गई शर्तें लागू रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गौर किया कि राजपाल यादव ने बकाया रकम चुकाने के लिए अपनी पुश्तैनी संपत्ति बेचने पर सहमति जताई थी। अदालत ने कहा कि वह नहीं चाहती कि



अभिनेता को इस मामले से छुटकारा पाने के लिए अपनी पुश्तैनी संपत्ति बेचने की नौबत आए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता कंपनी से कहा कि जब मध्यस्थता के पक्ष में मामले को सुलझाने की संभावनाएं तलाशें। 2 करोड़ रुपये के चेक बाउंस के पहा कि जब तो उसे भी उचित रुख अपनाते हुए विवाद सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। राजपाल यादव की ओर से पेश वकील विक्लव ने कोर्ट को बताया कि अभिनेता ने रकम का इंतजाम करने के लिए अपनी पैतृक संपत्ति बेच दी है। अदालत ने कहा कि जरूरत पड़ने पर मामले के गुण-दोष के आधार पर भी सुनवाई की जाएगी, लेकिन फिलहाल पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। राजपाल यादव और शिकायतकर्ता कंपनी

मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पेश वकील मध्यस्थता के लिए सहमत हो गए। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से पासपोर्ट जारी करने की मांग भी उठाई गई। उनके वकील ने कहा कि अभिनेता को विदेश में अपने पेशेवर काम के सिलसिले में यात्रा करनी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को राजपाल यादव का पासपोर्ट जारी करने का निर्देश दिया। हालांकि, यह राहत ट्रायल कोर्ट की ओर से लगाई जाने वाली शर्तों के अधीन होगी। अभिनेता इन शर्तों का पालन करने के बाद ही विदेश यात्रा कर सकेगे। भारत लौटने के बाद उन्हें ट्रायल कोर्ट को इसकी जानकारी भी देनी होगी। राजपाल यादव ने 7 अक्टूबर को पिछली सुनवाई के दौरान अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर 1.15 करोड़ रुपये के डिमांड ड्राफ्ट जमा किए थे। उस समय उनके वकील ने बताया था कि उनकी संपत्ति के एक संभावित खरीदार की ओर से 85 लाख रुपये और जमा किए जाएंगे। इस तरह कुल 2 करोड़ रुपये जमा करने की बात कही गई थी।

पश्चिम मध्य रेल में लोको रखरखाव के लिए नवाचारपूर्ण पहल इटारसी में बिना अतिरिक्त खर्च के जांच उपकरण विकसित, तुगलकाबाद में डैम्पर परीक्षण के लिए आधुनिक केबिन तैयार

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के विद्युत लोको शेडों में रखरखाव कार्यों को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाने के लिए दो महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। इटारसी में पुराने उपकरणों से प्राप्त पुर्जों का उपयोग कर बिजली से जुड़े उपकरणों की जांच के लिए पोर्टेबल टैस्टिंग यूनिट विकसित की गई है, जबकि तुगलकाबाद में इंजनों के झटकों को कम करने वाले उपकरणों (डैम्पर) की जांच के लिए धूल-मुक्त एवं ध्वनि-रोधी केबिन बनाया गया है। इटारसी स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड की इलेक्ट्रॉनिक्स लैब के कर्मचारियों ने बिना कोई नई सामग्री खरीदे और शुन्य खर्च पर पोर्टेबल पावर थाइरिस्टर टैस्टिंग यूनिट तैयार की है। इससे बीएचईएल निर्मित ऑक्जिलरी कन्वर्टर में लगे चार थाइरिस्टरों की अलग-अलग जांच कर खराब पुर्जों की पहचान की जा सकती है। इससे खराबी का पता लगाने और मरम्मत में लगने वाला समय कम करने में मदद मिलेगी। यह पहल पुराने पुर्जों के बेहतर उपयोग और संसाधनों की बचत का उदाहरण है। तुगलकाबाद स्थित इलेक्ट्रिक



लोको शेड में डैम्पर की जांच के लिए पारदर्शी कांच की दीवारों वाला विशेष केबिन बनाया गया है। इससे धूल और धातु के कणों से संवेदनशील उपकरणों की सुरक्षा होगी तथा जांच के दौरान शोर और संपावित सुरक्षा जोखिमों में कमी आएगी। नियंत्रित वातावरण में जांच से परिणामों की सटीकता बेहतर बनाने और डैम्पर का कार्यक्षमता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इन पहलों से रखरखाव कार्यों में तेजी, जांच की गुणवत्ता में सुधार और कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कांच वातावरण उपलब्ध करने में लाभ होगा। साथ ही, डैम्पर की बेहतर जांच से रेल इंजनों की विश्वसनीयता और यात्रा के दौरान स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलेगी, जिससे सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन को मजबूती मिलेगी।

अंबाला छावनी में जनसुनवाई में बिजली विभाग की लापरवाही पर अनिल विज सख्त, एक्सईएन हरीश गोयल के तबादले के आदेश

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में जनसुनवाई के दौरान बिजली विभाग से संबंधित एक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए अम्बाला शहर के एक्सईएन हरीश गोयल को अम्बाला से स्थानांतरित करने के आदेश दिए और इस मामले में लोकोशेड इन्स्पेक्टर को फटकार लगाते हुए कहा कि किसी भी मामले में कोलाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विज आज अंबाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज को अम्बाला छावनी की निवासी एक व्यक्ति ने एक शिकायत दी कि अंबाला शहर में बिजली विभाग में एक्सईएन हरीश गोयल ने जग्गी सिटी सेंटर के लोगों को एक एलटी कनेक्शन दिया गया है जबकि उस बिजली के कनेक्शन से वहां पर ट्रैक्टर-ट्राली इत्यादि को भी बिजली दी जा रही है जिससे वहां पर व्योसक बना हुआ है। इसी प्रकार, वहां पर झूले लगे हुए थे, उन झूलों को चलाने के लिए भी कनेक्शन दिया गया था, जोकि अवैध है। इस पर



संज्ञान लेते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बिजली निगम अधिकारियों से मामले में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी, मगर अधिकारी स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए जिसपर मंत्री अनिल विज ने मौके पर मौजूद बिजली निगम के एसई व अन्य अधिकारियों को फटकार लगाई तथा एक्सईएन हरीश गोयल को स्थानांतरित करने के आदेश दिए, उन्होंने मामले में ढिलाई बरतने वाले इलेक्ट्रिकल इन्स्पेक्टर को भी फोन पर कड़ी फटकार लगाई। इसी प्रकार, एक अन्य मामले में मिलाप नगर, अम्बाला छावनी से एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि इंटरनेट पर एक नंबर खोजने के दौरान उसकी जिस व्यक्ति से बातचीत हुई उसने उसके मोबाइल पर एक लिंक खोलने की बात की और उसके बाद उसके बैंक खाते से तीन लाख 40 से अधिक राशि को निकलवा लिया गया।

जेएनयू कांड वाले कांग्रेस सांसद की बढेंगी मुश्किलें अब ओम बिरला से मिलीं भाजपा की महिला सांसद

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। भारतीय जनता पार्टी (BJP) की महिला सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई। बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष और सांसद रुपा कुमारी चौधरी ने इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उनके साथ महिला मोर्चा की प्रभारी और सांसद डी. पुरंदेश्वरी और दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रही। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने पिछले सप्ताह बिमोल अकोइजम को प्रोफेसर के पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया था। मणिपुर से कांग्रेस सांसद अकोइजम के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार की कई शिकायतें दर्ज की गई थीं। विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच में उन्हें यौन उत्पीड़न और अनुचित आचरण का दोषी पाया गया। विश्वविद्यालय के मुताबिक, उसकी आंतरिक शिकायत समिति (ICC) ने यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून (POSH Act) के तहत जांच की थी। यह कार्रवाई 11 छात्राओं की ओर से दर्ज कराई गई शिकायतों के बाद की गई। हालांकि, अकोइजम ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया और कहा कि मामले में उचित जांच नहीं की गई। कांग्रेस सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बीजेपी सांसद मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिले थे। पार्टी की मांग है कि कांग्रेस अपने सांसद के खिलाफ कार्रवाई करे और उन्हें पार्टी से बर्खास्त करे। अब बीजेपी की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सामने यह मामला उठाया है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने भी कांग्रेस सांसद के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों में मामला दर्ज किया है।



संपादकीय (उमेश कुमार तिवारी)

तमिलनाडु उप-चुनावों में मिली जीत विजय के लिए संदेश

तमिलनाडु में हाल ही में संपन्न हुए दोनों विधानसभा उप-चुनावों में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की टीवीके पार्टी को जीत तो मिल गई है, लेकिन इसके लिए पार्टी को जी-तोड़ मशक़त करनी पड़ी। ये सीटें- पश्चिमी तमिलनाडु की धारापुरम और उत्तर की मथुरथंगम अन्नाद्रमुक का गढ़ रही हैं, जिन्हें मई के विधानसभा चुनावों में उसकी महिला उम्मीदवारों ने जीता था। दोनों सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं और नतीजों के तुरंत बाद विधायकों ने टीवीके में शामिल होने के लिए विधानसभा और पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। विजय के लिए यह जीत आसान नहीं थी। जब टीवीके की दोनों महिला उम्मीदवार वोट मांगने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्रों में गईं, तो उन्हें मतदाताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। फिर टीवीके ने बिना किसी मुफ़्त सुविधा के उप-चुनाव लड़ने का वादा किया था। दोनों महिलाओं को ख़ूब ख़री-ख़ोटी सुनाई गई, यहां तक ??कि अपशब्द भी कहे गए। विजय ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार की जिम्मेदारी एक-एक कैबिनेट मंत्री को दी थी। वे लगभग एक महीने तक वहां डटे रहे और विजय ने खुद जीत सुनिश्चित करने के लिए चार दिनों तक लगातार चुनाव प्रचार किया। मतदाताओं का दिल जीतने के लिए उन्हें खेतों में ट्रैक्टर चलाना पड़ा, नवजात शिशुओं को गोद में लेना पड़ा, सरकारी बस में यात्रा टिकट बांटने पड़े और कई अन्य काम करने पड़े। बहरहाल, उन्हें एहसास जरूर हो गया होगा कि जनादेश कितना अस्थिर और अनिश्चित हो सकता है। विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है, जबकि विजय की पार्टी के पास अभी 109 सीटें हैं। उन्होंने सहयोगी कांग्रेस पार्टी और केंद्र में भाजपा सरकार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की। विजय ने गत 10 अक्तूबर को राहुल गांधी के लिए लंच का आयोजन किया, क्योंकि उन्हें पता था कि अगले दिन वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मेट्रो की पहली सवारी करने वाले हैं। हालांकि, उन्होंने एसआईआर में गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन का समर्थन किया है , लेकिन उनके प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर कोई नरमी नहीं बरती और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे 100 से ज्यादा वामपंथी छात्रों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इन उप-चुनावों में अन्नाद्रमुक पार्टी दोनों जगह तीसरे स्थान पर रही। विजय के लिए यह एक सुखद सफलता है, क्योंकि लंबे समय में वह धीरे-धीरे अन्नाद्रमुक के समर्थन आधार पर कब्ज़ा करना चाहेंगे। उधर हार के बावजूद, द्रमुक को उम्मीद की एक किरण दिखी है, क्योंकि यह पार्टी दोनों जगहों पर दूसरे नंबर पर रही। पार्टी नेताओं को लगा है कि यह इस बात का प्रमाण है कि वे टीवीके सरकार के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। पार्टी नेता एम के स्टालिन ने टीवीके पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया और इस जीत को एक अस्थायी घटना बताया। मन ही मन, उन्हें भारतीय जनता पार्टी से दूर रहने के अपने फैसले से संतुष्टि भी मिली होगी। इन उप-चुनावों में भाजपा की भूमिका नगण्य रही। वैसे भी, पार्टी केंद्र की मुश्किलों से निपटने में व्यस्त है और कांग्रेस के नेतृत्व वाले ‘इंडिया ब्लॉक के समर्थकों और नवगठित सीजेपी को कोई नई राजनीतिक जगह हासिल करने से रोकने में जुटी है। आखिरकार, विजय की पार्टी जीत गई है, लेकिन विधानसभा पर पूरी तरह से नियंत्रण पाने के लिए उसे अभी लंबा सफर तय करना है। अन्नाद्रमुक के दो विधायकों के अलावा पांच अन्य विधायक, जिनमें एडप्पाडी की सरकार के पूर्व वरिष्ठ मंत्री शामिल हैं, भी कतार में हैं। उन्होंने भी अन्नाद्रमुक के टिकट पर जीतने के बाद अपनी-अपनी विधानसभा सीटों से इस्तीफा दे दिया है और टीवीके में शामिल हो गए हैं। उप-चुनाव की जीत उनके मनोबल को बढ़ाने वाली है। इस जीत का इस्तेमाल करते हुए अभिनेता विजय को अपनी सरकार को स्थिर करने के लिए कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक कदम उठाने होंगे। हालांकि, उनकी सरकार को तत्काल कोई खतरा नहीं है, फिर भी वह मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं, क्योंकि सहयोगी दल उनके शासन की आलोचना करके सरकार को अलग-अलग दिशाओं में खींच रहे हैं।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं। चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत

प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने। हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुड़ा, ज्वालाजी, चित्तपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ‘जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास’ की सोच को ‘जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन’ में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोटलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया

जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है। हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां

आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ़ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया। हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोटल पानी लेकर पहाड़ी यात्रा जा सकता है तो खाली बोटल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है।

आस्था और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धार्मिक यात्रा का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होगा जब तीर्थयात्री मंदिर से लौटते समय अपने साथ प्रसाद ही नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी लेकर लौटे। सरकारें व्यवस्था करें, स्थानीय समुदाय भागीदारी निभाएं और श्रद्धालु अपना कचरा वापस लाने का संकल्प लें-तभी हिमालय की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी। हिमालय को केवल देवभूमि कहने से उसकी रक्षा नहीं होगी, उसे देवभूमि की तरह व्यवहार देकर ही उसकी पवित्रता बचाई जा सकती है। यही सच्ची तीर्थयात्रा है, यही प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है।

अनियंत्रित भीड़ को शिव बारात की उपमा देकर राहुल गांधी ने हिंदू भावनाओं को पहुँचाई ठेस!

भले ही राहुल गांधी ने 12 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में अपने राजनीतिक मार्च को ‘शिव बारात’ कहकर केवल एक उपमा दी हो, लेकिन सवाल यह है कि क्या भगवान शिव की बारात जैसे पवित्र धार्मिक प्रसंग को राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करना उचित था? जिस बारात का संबंध देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के दिव्य विवाह से है, उसे एक राजनीतिक आंदोलन का नाम देते समय क्या उसकी धार्मिक गरिमा और करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का ध्यान नहीं रखा जाना चाहिए था? हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के मार्च के दौरान कहा था कि यह शिव की बारात है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। उन्होंने आंदोलन की तुलना भगवान शिव के तोंड से भी की थी। उनका आशय आंदोलन को स्वतःस्फूर्त और सबके लिए खुला बनाना था। लेकिन इसी बयान ने धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल पर विवाद खड़ा कर दिया है। विश्व हिंदू परिषद ने उनकी टिप्पणी की आलोचना करते हुए सार्वजनिक माफ़ी की माँग की है। देखा जाये तो यहाँ सवाल केवल एक उपमा का नहीं, बल्कि उस धार्मिक प्रतीक के अर्थ



का है जिसे भारतीय समाज में विशेष श्रद्धा के साथ देखा जाता है। राहुल गांधी को शायद पता नहीं कि शिव बारात कोई सामान्य जुलूस नहीं है। शिवपुराण की रुद्रसंहिता के पार्वतीखंड में भगवान शिव की विवाह-यात्रा का विस्तृत वर्णन मिलता है। अध्याय 40 में शिव की बारात का प्रसंग है। इसके बाद विवाह की तैयारियों, शिव के हिमालय पहुँचने और विवाह-संस्कार का वर्णन आगे के अध्यायों में आता है। अध्याय 48 में पुरोहितों द्वारा तिथि आदि बताए जाने और शुभ समय आने के बाद विवाह-संस्कार प्रारंभ होने

का उल्लेख है। शिव बारात का धार्मिक महत्त्व इसी दिव्य विवाह से जुड़ा है। इसमें शिवगणों, नंदी, देवताओं और ऋषियों की सहभागिता का वर्णन मिलता है। लोकपरंपरा में भूत-प्रेत और विचित्र रूप वाले गणों के चित्रण ने इस बारात को एक विशिष्ट पहचान दी है। यह शिव के उस स्वरूप की याद दिलाता है जो बाहरी रूप, वैभव और सामाजिक प्रतिष्ठा की सीमाओं से परे है। इसीलिए शिव बारात को केवल लोगों की भीड़, नारेबाजी या किसी राजनीतिक आंदोलन के लिए सुविधाजनक उपमा मान लेना श्रद्धालुओं

को असहज कर सकता है। धार्मिक प्रतीक की अपनी गरिमा होती है और उसका इस्तेमाल किस संदर्भ में किया जा रहा है, यह महत्वपूर्ण है। साथ ही यहां यह सवाल भी उठता है कि क्या शिव बारात किसी भी दिन निकल सकती है देखा जाये तो हिंदू धर्म में धार्मिक पर्व, विवाह-संस्कार और शोभायात्रा के अपने अलग-अलग नियम और परंपराएँ हैं। महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का सबसे प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर देशभर में शिव बारात निकाली जाती है और शिव-पार्वती विवाह की झाँकियाँ सजाई जाती हैं। वहीं, शास्त्रोक्त विवाह-संस्कार में तिथि, पंचांग और शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व होता है। शिवपुराण में भी शिव-पार्वती विवाह के प्रसंग में तिथि और शुभ समय का उल्लेख मिलता है। साथ ही परम्परागत रूप से शिव बारात महाशिवरात्रि के दिन ही निकाली जाती है और देश में शायद ही किसी अन्य दिवसों पर शिव बारात का आयोजन होता हो। सामान्य धार्मिक शोभायात्रा किसी स्थानीय उत्सव या मंदिर की परंपरा के अनुसार अन्य अवसरों पर भी निकाली जा सकती है। इसके विपरीत, यदि आयोजन को विधिवत शिव-विवाह या किसी विशिष्ट पर्व का शास्त्रोक्त अनुष्ठान बताया जा रहा है, तो संबंधित तिथि, पूजा-विधान, मुहूर्त और

परंपरा का पालन अपेक्षित है। साथ ही राहुल गांधी को यह भी समझना चाहिए कि भगवान शिव की बारात में धक्के मारने या कोहनी से दूसरों को मारने या किसी को कॉलर पकड़ कर पीछे धकेलने की कोई परम्परा नहीं है। शिव बारात में भक्ति, श्रद्धा और उत्सव का भाव होता है, न कि किसी को धक्का देने या कोहनी मारकर आगे बढ़ने का। भले ही राहुल गांधी की उपमा का उद्देश्य अपने राजनीतिक मार्च को सबके लिए खुला बनाना रहा हो, लेकिन सवाल यह है कि इसके लिए भगवान शिव की बारात जैसे पवित्र प्रसंग को ही क्यों चुना गया? क्या एक राजनीतिक आंदोलन में शामिल भीड़ की तुलना शिव बारात से करना उचित था? और क्या ऐसी तुलना शिव बारात की धार्मिक छवि को एक अनियंत्रित भीड़ के रूप में प्रस्तुत नहीं करती? बहरहाल, राहुल गांधी के इस बयान ने धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल और सनातन परंपराओं के प्रति संवेदनशीलता को लेकर एक गंभीर बहस छेड़ दी है। देखा जाये तो लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन उस विरोध को व्यक्त करने के लिए करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े प्रतीकों का इस्तेमाल करते समय उनकी गरिमा का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है।

रूस के आगे फिर नरम पड़ा अमेरिका

रूस से ‘डीजल समझौता’ करके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साथ कई समस्याओं से पार पाने का प्रयास किया है। इस समझौते के तहत मॉस्को तुरंत तीन लाख टन डीजल वाशिंगटन को देगा और फिर नवंबर में पांच लाख टन। अगली आपूर्ति में यह आंकड़ा बढ़कर 10 लाख टन तक हो जाएगा। घरेलू और भू-राजनीति, दोनों लिहाज से ट्रंप को इस समझौते की जरूरत थी। यह सही है कि अमेरिका खुद रिकॉर्ड मात्रा में कच्चे तेल का उत्पादन करता है, फिर भी वैश्विक उथल-पुथल के कारण वहां डीजल की कीमतें जबर्दस्त रूप से बढ़ गई हैं। सितंबर में तो डीजल का खुदरा मूल्य पहली बार छह डॉलर प्रति गैलन के पार चला गया था। चूंकि वहां की रिफाइनरियां भी कई चुनौतियों से जुझ रही हैं, इसलिए वे भी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहीं। दिक़्तत यह थी कि डीजल की कमी कृषि क्षेत्र पर दबाव बना रही थी और माल ढुंवाई वाली व्यवस्थाओं पर भी। इससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा था और महंगाई दर बढ़कर 3.4 फीसदी हो गई थी। इस साल की दूसरी तिमाही में जब वैश्विक आपूर्ति शृंखला में गिरावट आई थी, तब अमेरिका ने दुनिया के तमाम देशों को रूस और ईरान से तेल खरीदने पर एक महीने की छूट दी थी। इसका

कुछ असर हुआ था, लेकिन बाद में उसकी बॉदेशें खुद उसी पर भारी पड़ने लगीं। ताज़ा समझौते की एक बड़ी वजह घरेलू राजनीति है। असल में, नवंबर में अमेरिका में कांग्रेस के मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं। इसमें हार से राष्ट्रपति ट्रंप के साविधानिक अधिकारों में कटौती हो सकती है, इसलिए वह जोरिखम मोल नहीं लेना चाहते। चूंकि लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं, इसलिए ट्रंप प्रशासन डीजल खरीदकर उनकी मुश्किलें कुछ कम करना चाहता है। हालांकि, अमेरिका के सामने एक बड़ी चुनौती यूक्रेन को संभालने की है। पिछले दिनों कीव ने दावा किया था कि उसने महज सितंबर में रूस की 16 बड़ी रिफाइनरियों को निशाना बनाया है। बेशक, रूस के पास तेल का अच्छा-खासा भंडार मौजूद है, पर खुद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने माना कि इन हमलों से रूस की रिफाइनिंग क्षमता को कुछ नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन इसे जीडीपी का 51 फीसदी तक बता रहा है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए फायदेमंद है। अगर अमेरिका खुद रूस से तेल आयात करेगा, तो वह उससे तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर प्रतिबंध नहीं लगा सकेगा। गौरतलब है, पिछले पखवाड़े ‘ग्राहम ऐक्ट’ के जरिये अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार मिल गया है कि वह



रूस से कच्चा तेल व गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगा सकें। यह एक ऐसा कानूनी अधिकार है, जिसे अमेरिका की किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चूंकि भारत अपनी जरूरत का करीब 40 फीसदी तेल मॉस्को से खरीदता है, इसलिए इस कानून के माध्यम से ब्लाइट हाउस नई दिल्ली पर निशाना साधने के प्रयास में था। हालांकि, रूस से डीजल समझौते के बाद अमेरिका की यूरोप-नीति पर सवाल उठने लगे हैं। यह जगजाहिर है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय

देशों को अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ‘भार’ समझते हैं। पहले कार्यकाल में भी उन्होंने यूरोपीय संघ को अपनी सुरक्षा खुद करने और अपने जीडीपी का पांच फीसदी हिस्सा रक्षा मद में खर्च करने का सुझाव दिया था, जो दो फीसदी है। अब भी वह भलमनसाहत दिखाने के मूढ़ में नहीं दिखते। अमेरिका की चिंता उसके कम होते हथियार भंडार भी हैं, जो पहले यूक्रेन-रूस युद्ध और फिर ईरान में खर्च होते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप मानते हैं कि यूरोपीय संघ की शह पर ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर

जेलेंस्की को उन्मुख हुए। इसीलिए अब जेलेंस्की सरकार को वह गैरकानूनी तक बताने लगे हैं, क्योंकि वहां चुनाव को टले ढाई साल हो गए हैं। इसके बरअवस, पिछले महीने ही रूस में पुतिन ने बड़ी जीत हासिल की है। ऐसे में, यूरोप की चुनौती जेलेंस्की का बचाव करने के साथ-साथ डीजल समझौते के खिलाफ अपनी आपत्तियां पुरजोर तरीके से रखने की भी है। यहां कार्लिननग्राद का ज़िफ़ लाज़िमी है। यह बाल्टिक सागर में स्थित एक ‘सेमी-एक्सक्लेव’ है, जो यूरोप के बेहद नजदीक है। यहां रूस का नौसेन्य ठिकाना है, जहां उसकी पनडुब्बिया तैनात हैं। पिछले दिनों इसे लेकर इसलिए तनाव भड़क उठा, क्योंकि मॉस्को का मानना था कि नाटो इसे रूस से अलग-थलग करने की कोशिशें कर रहा है। उसने धमकी दी कि अगर वह अपने प्रयासों को नहीं रोकेगा, तो वह परमाणु हमला करने से भी गुरेज नहीं करेगा। आज भी कमेबोश ऐसी ही स्थिति है। अमेरिका इस समझौते के बहाने हालात संभालने की कोशिशें कर सकता है। वैसे, रूस के अंदर भी युद्ध से थकान पैदा हो चुकी है। यूक्रेन लगातार जवाब दे रहा है। अभी-अभी उसने रूस के बड़े संचार नेटवर्क ‘यॉडेक्स’ के डाटा सेंटर पर कई झेन हमले किए, जिससे रूस में इंटरनेट व दूरसंचार सेवाओं को भारी

नुकसान पहुंचा है। इन सबको देखते हुए रूसी नागरिक भी इस युद्ध का जल्द अंत चाहते हैं। अच्छी बात है कि नया समझौता इसकी राह बना सकता है। रणनीतिक रूप से रूस फायदे में दिख रहा है। डीजल बिक्री से उसकी अर्थव्यवस्था को तो फायदा होगा ही, अमेरिका के साथ उसके रिश्ते भी सुधरेगे। इससे यूक्रेन युद्ध खत्म करने की भूमिका तैयार हो सकती है। यह अनायास नहीं था कि पिछले दिनों राष्ट्रपति ट्रंप ने मॉस्को और कीव के बीच ‘एनर्जी सीजफायर’ की घोषणा की। मुमकिन है, इस तरह के कदम भविष्य में और दिखें। रही बात वैश्विक आपूर्ति शृंखला में सुधार की, तो यूक्रेन युद्ध से इस मोर्चे पर कुछ राहत जरूर मिलेगी, लेकिन असली सुकून तो होर्मुज जलमार्ग के खुलने से ही मिलेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने के बाद अमेरिका ईरान युद्ध पर ध्यान लगा सकेगा। इसकी बुनियाद तैयार भी हो रही है। ईरान ने समझौते के लिए जिन छह शर्तों का जिक्र किया, उनमें से कुछ पर अमेरिका में सहमति बन गई है। फिर, सकुदी अरब ने भी बीच-बचाव का नया प्रयास शुरू किया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बात दुनिया को जरूर सिखा दी कि किसी एक ‘चॉक चॉइंट’ (संकरे समुद्री मार्ग) पर निर्भरता उसके लिए खतरनाक हो सकती है।

गौरव पूर्ण भारत



एक नज़र

अगर विधवा बहु अपना खर्च नहीं उठा सकती तो कौन करेगा भरण-पोषण दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर कोई विधवा बहु अपनी कमाई, संपत्ति या अपने दिवंगत पति की संपत्ति से अपना खर्च नहीं उठा सकता तो उसके ससुर का यह कर्तव्य है कि वह उसका खर्च उठाए। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि हिंदू दत्तक ग्रहण व भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (एचएएमए) के तहत कानूनी व्यवस्था विधवा बहु को भरण-पोषण पाने की हकदार मानती है। पीठ के अनुसार इसमें विधवा बहु के रहने की जगह व आश्रय भी शामिल है। पीठ एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा है, जिसमें एक दिवंगत व्यक्ति के कानूनी प्रतिनिधियों ने एक आदेश के खिलाफ अपील की थी। इस आदेश में उन्हें पश्चिम विहार की एक संपत्ति खाली करने और संपत्ति के अनधिकृत कब्जे के दौरान उससे हुई आय का भुगतान करने के लिए कहा गया था। दिवंगत व्यक्ति अपनी पत्नी व बेटियों के साथ उस संपत्ति में रह रहा था। मुकदमे के दौरान उसकी मृत्यु हो गई, जिसके बाद उसकी विधवा और दो बेटियों को उसके कानूनी प्रतिनिधियों के तौर पर रिकॉर्ड में शामिल किया गया। वे उस संपत्ति में रहना जारी रखती रही। ससुर (जो उस संपत्ति का मालिक है) ने उन्हें वहां से बेदखल करने की मांग की। विधवा का तर्क है कि घरलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत वह संपत्ति उसका साझा घर है। उसे वहां रहने का स्वतंत्र अधिकार है। पीठ ने माना कि वह संपत्ति वास्तव में विधवा का साझा घर है। पति को मृत्यु से उसके रहने का अधिकार खत्म नहीं हुआ। पीठ ने एचएएमए की धारा 19 की जांच की, जिसमें कानूनी शर्तों के अधीन ससुर द्वारा विधवा बहु के भरण-पोषण का प्रावधान है। पीठ ने गौर किया कि एचएएमए की धारा 3(बी) में भरण-पोषण को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि इसमें भोजन, कपड़े, रहने की जगह, शिक्षा, चिकित्सा देखभाल व इलाज की व्यवस्था शामिल है। इसलिए यह दायित्व केवल आर्थिक मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आश्रय की व्यवस्था भी शामिल है। पीठ ने कहा कि इस मामले में ससुर विवादित संपत्ति में नहीं रह रहे हैं, जबकि विधवा अपनी बेटियों के साथ वहीं दो दशकों से ज्यादा समय से रह रही है। उसके पास रहने के लिए कोई दूसरी जगह उपलब्ध नहीं है। इसलिए पीठ ने कब्जे के आदेश को तो बरकरार रखा है।

5 महीने में 3 मंत्रियों का इस्तीफा, 2 को टिकट नहीं; मोदी सरकार का क्या प्लान

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया है। मुरुगन ने प्रधानमंत्री को पांच पृष्ठों का पत्र लिखकर राज्य में जाकर संगठन को मजबूत करने की इच्छा जताई है। उनको इस्तीफे से केंद्रीय मंत्रिपरिषद में एक और पद रित्त हो जाएगा। पहले से ही कई मंत्री पद खाली हैं। वहीं, कुछ राज्यसभा सदस्यों को दोबारा कार्यकाल नहीं मिलने के कारण भी मंत्रिपरिषद में और पद रित्त होंगे। ऐसे में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि इसी माह केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार और फेरबदल हो सकता है। हालांकि, इसे लेकर भाजपा नेतृत्व की तरफ से आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। मुरुगन ने अपना इस्तीफा वाला पत्र पेंस पर पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत माता और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। विनम्रता और कृतज्ञता के साथ उन्होंने अनुरोध किया कि उन्हें राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया जाए और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की भी अनुमति दी जाए, ताकि वह तमिलनाडु में पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरा समय समर्पित कर सकें। मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उन्होंने पत्र में लिखा, पिछले पांच वर्षों से आपकी सरकार में सेवा करने का सम्मान दिए जाने के लिए मैं गहरी कृतज्ञता के साथ यह अनुरोध कर रहा हूं, दिहाड़ी मजदूरों के बेटे पर आपने जो भरोसा जताया, वह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य बना रहेगा। अब मैं अपने लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच अथक मेहनत करके उस भरोसे पर खरा उतरने के लिए आपका आशीर्वाद चाहता हूं। मुरुगन सितंबर 2021 से राज्यसभा के सदस्य हैं और अप्रैल 2024 में मध्य प्रदेश से उच्च सदन के लिए दोबारा निर्वाचित हुए थे। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 में समाप्त होगा। मंत्री ने कहा कि वह राज्यसभा की सदस्यता छोड़ना चाहते हैं। मुरुगन ने पीटीआई से कहा, मैंने प्रधानमंत्री से मंत्रिपरिषद और राज्यसभा से मुझे मुक्त करने का अनुरोध किया है, क्योंकि मैं तमिलनाडु जाकर अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में मैंने कहा है कि मैं गांवों, गलियों और हर जगह जाकर अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहता हूं और 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए जमीन तैयार करना चाहता हूं।

नई दिल्ली

घर के बाहर टेंट क्यों लगा है मम्मी, पापा कब आएंगे; बेटे के सवालों पर फफक पड़ती है दलजीत की पत्नी

नई दिल्ली। आठ साल का एक लड़का

अभी भी अपने पिता के घर लौटने का इंतजार कर रहा है। उसने अपनी मम्मी से पूछा कि उसके घर के बाहर टेंट क्यों लगाया गया है। पापा कब आएंगे। नाइट क्लब के बाउंसरों के कथित हमले में अपने पति को खोने के बाद बुरी तरह टूटी हुई उसकी मम्मी के पास उसके सवाल का कोई जवाब नहीं था। 29 साल के दलजीत की पत्नी पूजा ने रोते हुए बताया कि वह मुझे गले लगाकर रोता है और अपने पिता के बारे में पूछता है। अब मैं उसे क्या बताऊं ? वह बार-बार पूछता है कि हमारे घर के बाहर टेंट क्यों लगा है। मैंने बस रोते हुए उससे कहा कि वह हमारा नहीं है। पुलिस के मुताबिक, ड्राइवर दलजीत की मौत तब हुई जब नॉर्थ दिल्ली के एक नाइट क्लब

में मैनेजर की पत्नी पर बीयर गिरने को लेकर हुए झगड़े के बाद बाउंसरों और मैनेजर ने कथित तौर पर बेरहमी से उसकी पिटाई की। सराय रोहिळा थाने के अशोक पार्क मेट्रो स्टेशन के पास टोर हाउस नाइट क्लब में शनिवार देर रात हुई इस घटना के सिलसिले में क्लब मैनेजर, उसकी पत्नी और तीन बाउंसरों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रघुवीर नगर के रहने वाले दलजीत के परिवार में उनकी पत्नी, आठ साल का बेटा और पिता हैं। दलजीत ही घर में कमाने वाले अकेले व्यक्ति थे। अपने पति की जिंदगी के आखिरी पलों को याद करते हुए पूजा ने बताया कि उन्होंने कई बार उन्हें फोन करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन नहीं लग रहा था। उन्होंने कहा कि मैं उसे ढूढ़ने के लिए

में मैनेजर की पत्नी पर बीयर गिरने को लेकर हुए झगड़े के बाद बाउंसरों और मैनेजर ने कथित तौर पर बेरहमी से उसकी पिटाई की। सराय रोहिळा थाने के अशोक पार्क मेट्रो स्टेशन के पास टोर हाउस नाइट क्लब में शनिवार देर रात हुई इस घटना के सिलसिले में क्लब मैनेजर, उसकी पत्नी और तीन बाउंसरों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रघुवीर नगर के रहने वाले दलजीत के परिवार में उनकी पत्नी, आठ साल का बेटा और पिता हैं। दलजीत ही घर में कमाने वाले अकेले व्यक्ति थे। अपने पति की जिंदगी के आखिरी पलों को याद करते हुए पूजा ने बताया कि उन्होंने कई बार उन्हें फोन करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन नहीं लग रहा था। उन्होंने कहा कि मैं उसे ढूढ़ने के लिए

घर से निकलने ही वाली थी कि तभी नीचे गाई और देखा कि वह जमीन पर पड़े हैं और बुरी तरह घायल हैं। मैंने उन्हें ऊपर लाने में मदद की। उनके कपड़े बदले और उन्हें सोने दिया। सुबह जब मैंने उन्हें तो वह बेहोश थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति को बेरहमी से पीटा गया था। उनके सिर और जबड़े पर लाठियों और घूसों से वार किए गए थे। बार-बार पानी में डुबोया गया। उन्हें मारने के लिए लाठियों और घूसों का इस्तेमाल किया गया। उनकी मौत घर पर ही हो गई। पूजा ने बताया कि परिवार के लिए अब अपने छोटे बेटे को इस दुखद घटना के बारे में समझाना मुश्किल हो रहा है। आंखों से आंसू बहते हुए उन्होंने कहा कि जब हम उसे अस्पताल ले जा रहे थे तो मेरे बेटे ने मुझसे वाद

लिया था कि मैं उसके पिता को सुरक्षित घर वापस लाऊंगी। मैंने उससे कहा था कि उसके पिता अस्पताल में हैं। अब मैं उसे क्या बताऊं ? उन्होंने आगे कहा कि उनका बेटा उन्हें गले लगाकर रो रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा बार-बार अपने पिता के बारे में पूछ रहा है। मुझे न्याय चाहिए। इन लोगों की वजह से मैंने अपने पति को खो दिया था। मैंने पूछा कि मैंने अपने पिता के खराब करने की कोशिशों में पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया पेज के खिलाफ 4 केस दर्ज किए हैं। दिल्ली पुलिस का ककना है कि कानून-व्यवस्था बिगड़ने के लिए अफवाहें और फेक न्यूज फैलाने के पीछे पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया पेज जांच के दायरे में हैं। फेक न्यूज से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते दिल्ली पुलिस सतर्क है। दिल्ली पुलिस विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मां पर निगरानी रख रही है। अधिकारियों ने बताया कि फेक न्यूज फैलाने भारत विरोधी माहौल तैयार कर के कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले सोशल मीडिया पेज के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। एक सूत्र की मानें तो पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया पेज फेक न्यूज के जरिए भारत में माहौल बिगाड़ने के प्रयास में शामिल हैं।

दिल्ली में प्रोटेस्ट के बहाने माहौल बिगाड़ने की साजिश; पाकिस्तानी टूलकिट एक्टिवेट

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के संबंध में फेक न्यूज और अफवाहें फैलाकर माहौल को खराब करने की साजिश है। दिल्ली पुलिस इसको लेकर बेहद चौकसी हो गई है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनों के संबंध में अफवाहें और फेक न्यूज फैलाने वाले सोशल मीडिया पेज के खिलाफ 4 मामले दर्ज किए हैं। देश में माहौल खराब करने की कोशिशों में पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया पेज की भी भूमिका सदिग्ध है। साजिश को अंजाम देने के लिए पाकिस्तानी टूलकिट भी एक्टिवेट है। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शनों के दौरान अफवाहें और फेक न्यूज फैलाने वाले सोशल मीडिया एकाउंट्स के खिलाफ 4 केस दर्ज किए हैं। दिल्ली पुलिस का ककना है कि कानून-व्यवस्था बिगड़ने के लिए अफवाहें और फेक न्यूज फैलाने के पीछे पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया पेज जांच के दायरे में हैं। फेक न्यूज से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते दिल्ली पुलिस सतर्क है। दिल्ली पुलिस विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मां पर निगरानी रख रही है। अधिकारियों ने बताया कि फेक न्यूज फैलाने भारत विरोधी माहौल तैयार कर के कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले सोशल मीडिया पेज के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। एक सूत्र की मानें तो पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया पेज फेक न्यूज के जरिए भारत में माहौल बिगाड़ने के प्रयास में शामिल हैं।

उत्तर रेलवे	
निविदा आमंत्रण सूचना	
कार्य का नाम और इसकी स्थिति	107-SRDEE-G-DU-2026-27 SSE/PS/PNP और SSE/PS/KKDE संरक्षण (फेज-1) के अधिकांश क्षेत्र में आने वाली रेलवे कालोनियों के लिए ABC/ईसुलेटेड सिंगल कोर कंडक्टर/UG केबल की व्यवस्था।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 3,650,934,100 /—
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, का पता उत्तरी रेलवे, स्टेट एंटी रोड, नई दिल्ली, 110065
बयाना राशि	रु. 730200.00 /—
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	06.11.2026 13:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	06.11.2026 13:00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी. नई दिल्ली
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3599/26	

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
मुख्य अभियंता/निर्माण/आरएएमपी/एनआर, 901 थी, टॉवर-1, 9वाँ मंजिल, कनेक्टस टॉवर, डीएमआरसी बिल्डिंग, अजमेरी गेट, नई दिल्ली-110002 भारत के राष्ट्रपति की और से निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:-	
1। कार्य का पूरा नाम	4 ROB का निर्माण: (i) नॉर्दन रेलवे के लखनऊ डिवीजन के प्रतापगढ़-फाकामऊ संरक्षण पर मज आइमाम (MEM) स्टेशन के पास Km 123 /8-9 पर लेवल क्रॉसिंग नंबर 61-8 (LHS सहित) की जगह लागत-साझाकरण के आधार पर 2-लेन ROOB, (ii) नॉर्दन रेलवे के मुगदाबाद डिवीजन के गजरीला-मुजफ्फरपुर संरक्षण पर लेवल क्रॉसिंग नंबर 59B (LHS सहित) की जगह 2- लेन ROOB, (iii) नॉर्दन रेलवे के लखनऊ डिवीजन के AYC-SLN संरक्षण पर KBE-SLN रेलवे स्टेशनों के बीच Km 53.819 पर LC नंबर 32A (LHS सहित) की जगह 2-लेन ROOB, (iv) नॉर्दन रेलवे के लखनऊ डिवीजन के ऊंचाहार-फाकामऊ संरक्षण में भदरी कुंडा हरनामराज रेलवे स्टेशन के पास Km 39/1-2 पर लेवल क्रॉसिंग नंबर 20B (LHS सहित) की जगह 2- लेन ROOB।
2। लगभग कार्य की लागत	182,99,48,275.38/- रुपये मात्र (केवल एक सौ बयासी करोड़ निम्नाने लाख अड़तालीस हजार दो सौ पचहत्तर रुपये और अड़तीस पैसे मात्र)।
3। कार्य समाप्ति की अवधि	18 महीने की अवधि
4। बयाना राशि	3,65,99,000.00/- मात्र रुपये (केवल तीन करोड़ सैंसट लाख निम्नाने हजार रुपये मात्र)।
5। रेलवे पर निविदा दस्तावेज की बिबिी/उपलब्धता	निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 15.10.2026 से 12.11.2026 तक उपलब्ध रहेंगे।
6। निविदाएं अपलोड करने की तिथि	निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर 12.11.2026, 11:30 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं।
7। निविदा खोलने की तिथि	12.11.2026, 11:30 बजे के बाद किसी भी समय।
8। पूर्व-बैठक	दिनांक: 22.10.2026 समय: 11:30 बजे से 12:30 बजे तक स्थान: सीएओ/सी/आरएमपी कार्यालय, 9वाँ मंजिल, कनेक्टस टॉवर, डीएमआरसी भवन, अजमेरी गेट, नई दिल्ली – 110002 तथा ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) लिंक के माध्यम से (uploaded on IREPS)।
पत्रांक 33-W-09-2026-Wa-DyCEC-RSP दिनांक: 15.10.2026 3596/2026	
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

रेलयात्री कूप्या ध्यान दें!

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियों के प्लेटफॉर्मों में अस्थायी बदलाव सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों के प्लेटफॉर्म में दिनांक 16.10.2026 से 17.11.2026 तक निम्नानुसार अस्थायी बदलाव करने का निर्णय लिया है:—

रेलगाड़ियों की सूची जिनके प्लेटफॉर्म में निम्नलिखित बदलाव किया जायेगा					
रेलगाड़ी संख्या	रेलगाड़ी का नाम	आगमन समय	प्रस्थान समय	वर्तमान प्लेटफॉर्म	संशोधित प्लेटफॉर्म
12562	नई दिल्ली — जयनगर	—	21:15	13	01
12561	जयनगर — नई दिल्ली	15:45	---	12	07
12046	चंडीगढ़ — नई दिल्ली	15:20	---	02	01
15306	रोहतक जं. — नई दिल्ली	15:45	---	07	02
19566	देहरादून — ओखा	13:10	13:25	01	04
12472/74/76/78	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा — बांद्रा टर्मिनस/गांधीधाम जं./हापा / जामनगर	21:25	21:40	01	08
12392	नई दिल्ली — राजगीर	---	13:10	08	01
22435	वाराणसी जं. — नई दिल्ली	23:00	---	16	06
64441/64410	गाज़ियाबाद — नई दिल्ली — गाज़ियाबाद	18:10	18:30	14	12
54473	दिल्ली जं. — सहारनपुर जं	18:40	18:45	15	6
64409/64076	गाज़ियाबाद — नई दिल्ली — पलवल	23:45	00:15	08	09
64016	शकूरबस्ती — पलवल	15:08	15:10	01	04

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट <http://enquiry.indianrail.gov.in> अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें



उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हमें फॉलो करें

दिल्ली-एनसीआर

दिल्ली बनेगी नया हाई-टेक इंडस्ट्रियल हब; डाटा सेंटर समेत इन 10 क्षेत्रों को खास रियायत



कार्यस्थल के किराये, नई नियुक्तियों, अनुसंधान, प्रमाणन, तकनीकी आधुनिकीकरण, ऊर्जा की बचत और कोशल विकास के लिए अलग-अलग प्रोत्साहन दिए जाएंगे। यही नहीं संसाधनों का दोबारा इस्तेमाल करने और कचरा कम करने पर भी जोर

होगा। 1. आईटी, आईटीईएस और डिजिटल सेवाएं- डिजिटल इफ़ास्ट्रक्चर पर 3 साल के लिए 25 फीसदी प्रोत्साहन मिलेगा, जो अधिकतम 10 करोड़ रुपये और महिलाओं के लिए 12 करोड़ रुपये होगा। कार्यालय के किराये पर 3 वर्षों के लिए 40 फीसदी

सहायता मिलेगी, जो अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक होगी। बैंडविड्थ और क्लाउड सेवाओं पर दो वर्षों तक हर साल 25 फीसदी सहायता मिलेगी, जो अधिकतम 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष होगी। हर नई नियुक्ति पर 40 हजार से 50,000 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। 2. ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर डिजिटल इफ़ास्ट्रक्चर पर 25 फीसदी प्रोत्साहन मिलेगा जो 50 करोड़ रुपये तक होगा। महिलाओं के लिए यह सीमा अधिकतम 60 करोड़ रुपये होगी। यह प्रोत्साहन 5 वर्षों के लिए दिया जाएगा। कार्यालय के किराये पर दो वर्षों के लिए 40 फीसदी सहायता दी जाएगी जिसकी अधिकतम सीमा दो करोड़ रुपये है। हर नई नियुक्ति पर एक लाख से 1.2 लाख रुपये तक प्रोत्साहन मिलेगा।

ग्रेटर नोएडा के 4 नए रूटों पर शुरू हुई इलेक्ट्रिक बसें, चार्जिंग स्टेशन भी बढ़ाई जाएगी

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में सार्वजनिक परिवहन सेवा को दुरुस्त करने के लिए प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। चार नए मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। साथ ही बसों की संख्या 25 से बढ़ाकर 35 कर दी गई है। अधिक सवारी वाले मार्गों का लगातार सर्वेक्षण किया जा रहा है। दरअसल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बस सेवा से जोड़ने और जिले में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बीते जून माह में 100 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया गया था। इसमें 25-25 बसें ग्रेटर नोएडा और यमुना जबकि 50 बसें नोएडा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही हैं। ग्रेटर नोएडा में पहले चरण में चार मार्गों पर बसों का संचालन शुरू किया गया था। वरिष्ठ प्रबंधक अर्बन सर्विसेज सत्री यादव ने बताया कि रूट की संख्या 4 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है। ऐसे मार्गों पर बसों की संख्या बढ़ाई गई है,जिन पर अधिक सवारियां मिलती हैं। सर्वेक्षण के आधार पर यह फैसला लिया है। चार नए मार्गों में नोएडा सेक्टर 37 – फेज 2 – परी चौक – बिलासपुर – दनकोर टाउन, बॉटनिकल गार्डन – एडवांटे बिल्डिंग – परी चौक – गौर यमुना सिटी – नोएडा एयरपोर्ट, एडवांटे बिल्डिंग – नॉलेज पार्क 1 – स्वर्ण नगरी – जगत फार्म – नॉलेज पार्क 2 और बॉटनिकल गार्डन – एडवांटे बिल्डिंग – परी चौक – मिर्जापुर कट यमुना सिटी शामिल हैं। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में चलने वाली इलेक्ट्रिक बसों को चार्ज करने में किसी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए चार्जिंग स्टेशन की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। अब तक चार से अधिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन लगाए जा चुके हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन सेवा को आमजन के लिए सुगम और सस्ती बनाने का काम किया जा रहा है।। यात्रियों की मांग और सर्वेक्षण के आधार पर नए मार्ग और बसों की संख्या बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

विदेश जाते वक्त एयरपोर्ट पर रोक लिया था; 247 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपी को अब अदालत से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में हुई 247 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई द्वारा आरोपी बनाए गए एक शख्स के खिलाफ जारी लुक-आउट सर्कुलर (LOC) को रद्द कर दिया है, और कहा है कि किसी आरोप की गंभीरता ही LOC को लगातार बनाए रखने का एकमात्र आधार नहीं हो सकती है। इसके साथ ही अदालत ने जांच एजेंसी से वह कारण बताओ को कहा, जिसके आधार पर वह आरोपी की विदेश यात्रा पर रोक लगाने को जरूरी बता रही है। राजज एवेन्यू अदालत के विशेष न्यायाधीश दिनेश कुमार आरोपी आकाश गुप्ता की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे जिसमें कहा गया कि वह अपने बेटे का एक शैक्षणिक संस्थान में दाखिला कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे, तभी बंगलुरु हवाई अड्डे पर आव्रजन (इमिग्रेशन) काउंटर पर उन्हें रोक दिया गया। इसी दौरान उन्हें पहली बार पता चला कि उनके खिलाफ एलओसी जारी किया गया है। LOC

एक प्रशासनिक अलर्ट है, जिसका इस्तेमाल भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियां अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर किसी व्यक्ति की आवाजाही पर नजर रखने या उसके विदेश जाने पर रोक लगाने के लिए करती हैं। याचिका में LOC को रद्द करने का अनुरोध करते हुए कहा गया था कि अदालत ने पहले गुप्ता को विदेश यात्रा की अनुमति दी थी, जिसके बाद उन्होंने सभी शर्तों का पालन भी किया था और फिर समय पर लौट आए थे। साथ ही इसमें बताया गया कि उन्होंने पूरी जांच में सहयोग भी किया था। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद सात अक्टूबर को जारी एक आदेश में अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी मामले में अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर चुकी है और जांच के दौरान गुप्ता को गिरफ्तार नहीं किया गया था। फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा, इसलिए, जांच एजेंसी यह बताने के लिए बाध्य है कि अब उनकी विदेश यात्रा पर लगातार प्रतिबंध लगाना क्यों आवश्यक है।

एक भी सीट नहीं और 17 प्रतिशत से ज्यादा गिरा वोट शेयर; केजरीवाल को कहां लगा इतना बड़ा झटका

गांधीनगर। गुजरात में अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी (आप) को एक बड़ा झटका लगा है। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में हुए ताजा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी को डबल झटका लगा है। गांधीनगर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएमसी) की 44 सीटों पर हुए चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ना सिर्फ खाता खोलने में नाकाम रही, बल्कि उसका वोट शेयर भी पिछले चुनाव के मुकाबले बहुत नीचे आ गया। भाजपा ने 44 में से 38 सीटों पर जीत हासिल करके अपना कब्जा बरकरार रखा तो कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत हासिल की है। जीएमसी के नतीजे जब मंगलवार को जारी हुए तो भाजपा के लिए इसमें कई खुशखबरी थी तो कांग्रेस और आप के लिए एक बार फिर नतीजे निराशाजनक रहे। कांग्रेस को इस बात की संतुष्टि हो सकती है कि उसने वोट शेयर में कुछ इजाफा किया है, लेकिन आप जहां इस बार खाता नहीं खोल पाई तो वहीं अपना वोट बस भी गंवा बैठी। हालांकि, भाजपा को भी पिछले चुनाव के मुकाबले तीन सीटें कम मिली हैं, लेकिन भगवां दल के लिए अधिक खुशी की बात यह होगी कि उसके वोट शेयर में 10 फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ है। गुजरात में अपने लिए जमीन तलाश रही आप के लिए जीएमसी का 2021 का चुनाव अच्छा रहा था। उस दौरान भले ही पार्टी एक ही सीट जीत पाई थी, लेकिन इसके उम्मीदवारों ने 21.77 फीसदी वोट हासिल किए थे।

दियांगता जिम्मेदारी से छूट का आधार नहीं बनती, बीवी-बच्चों के भरण-पोषण पर दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि पति केवल अपनी दियांगता का हवाला देकर पत्नी और नाबालिग बच्चे सहित अपने परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। हालांकि, कोर्ट ने उसकी अंतिम भरण-पोषण राशि 8 हजार रुपये से घटाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह कर दी है। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी सौ फीसदी दियांगता से ग्रस्त एक ऐसे व्यक्ति के मामले में की,

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा
मंडल रेल प्रबंधक/ सं/एच/ई/सं/० उ०प०र०० जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी और से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा का ऑनलाईन ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है। कार्य का नाम व लोकेशन: जयपुर मंडल के स्वतंत्र इंटरनल्वंड एलसी गेटों (लेवल क्रॉसिंग फाटकों) पर ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम (ए एफ डी ए एस) का प्रावधान, अनुमानित लागत: रुपये 4,20,79,339.60, यरीहर राशि रुपये: रुपये 8,41,600/-, वेबसाइट पर टेंडर भरने की अंतिम तिथि और समय: 05.11.2026 समय 15.00 बजे तक, वेबसाइट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड लोकेशन मं.रे.प्र. कार्यालय, पॉपेर हाउस रोड जयपुर। 1469-PS/26 हमें फॉलो करें
उत्तर पश्चिम रेलवे
निविदा संख्या - उपर एच सी बी के एन-04-2026-27 दिनांक 06.10.2026 का प्रथम शुद्धि पत्र
बीकानेर मंडल में अनुपादित से बीकानेर (130.00 किमी) तक नई रेल लाइन तथा रोहड़ी से खाजुवाला (55.00 किमी) तक स्पर लाइन के निर्माण के संबंध में विस्तृत अनुमान वास्तविक यथार्थ लागत के आधार पर तैयार करने हेतु अंतिम स्थान सर्वेक्षण (Final Location Survey), भू-तकनीकी अध्ययन, डिजाइन, ड्राइंग तैयार करने एवं अन्य प्राथमिक कार्य करने के' के कार्य के लिए है। लिए जारी रीटेंडर नोटिस नंबर NWR-SC-BKN-04-2026-27 (दिनांक 06.10.2026) में निम्नलिखित सुधार (corrigendum) जारी किया गया है- 1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह के स्थान पर 08 माह पड़ी जाए। 2. शुद्धिपत्र का संशुद्धि विवरण आईआरईपीएस (IREPS) वेबसाइट पर देखा जा सकता है। सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी निविदा प्रस्तुत करने से पूर्व शुद्धिपत्र का अवलोकन अवश्य कर लें। रीटेंडर नोटिस की बाकी सभी जानकारी वेंसी ही रहेंगी। 1473-PS/26 उप मुख्य अभियंता/निर्माण

पूर्वोत्तर रेलवे
शुद्धि पत्र
निविदा संख्या 26265154A खुलने की तिथि 15.10.2026 निविदा सूचना संख्या-13 दिनांक-03.09.2026 के अंगगत मद संख्या- (14) में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है। मद सं०-14, मद विवरण-एनआईडी की शर्त (कमर्शियल अनुपालन क्रम संख्या 04) निवि. वर्तमान प्राविष्टि- देवराजगंज अपलोड करना-अनुमति नहीं है। अब पढ़ा जाय:- देवराजगंज अपलोड करना-अनुमति है। मद विवरण- निविदा खुलने की तिथि। वर्तमान प्राविष्टि:- 15.10.2026 11:30 am, अब पढ़ा जाय:- 30.10.2026 11:30 am डिजिटेशन IREPS website पर देखा जा सकता है। अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी। नोट: उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in एवं भारत सरकार की वेबसाइट www.tenders.gov.in पर देखा जा सकता है। वरि०रा०प्रबन्धक/आई०सी० मुजाधि / सं-53 गोरखपुर ई०नों में बीडी/सिगरेट न पिघें



एक नज़र बिस्कुट की पेटी खोलते ही फुफकारता निकला सांप, कर्मचारी को डसा

लखनऊ। बुलंदशहर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के व्यस्ततम चौक बाजार में बुधवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब एक बिस्कुट एजेंसी पर माल उतारते वक्त अचानक फुफकारते हुए एक सांप निकल आया। कर्मचारी सांप से बचने की कोई सुरत निकाल पाते उससे पहले ही उसने एक कर्मचारी को डस लिया। सांप के डसने और दहशत से कर्मचारी की हालत बिगड़ने लगी तो साथी उसे लेकर आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल के डॉक्टर सांप के डसने के शिकार कर्मचारी के इलाज में जुटे हैं। घटना बुलंदशहर के चौक बाजार स्थित खाने-पीने की चीजों की एक एजेंसी की है। बुधवार को वहां माल वाहन से बिस्कुट की पेटियां उतारी जा रही थीं। इस दौरान एजेंसी के कर्मचारी पेटी उठाकर दुकान के अंदर रख रहे थे। तभी एक पेटी को उठाते ही उसमें से एक जहरीला सांप निकला। सांप फुफकारते हुए फन काड़े सामने खड़ा हो गया। सांप को देखकर कर्मचारियों में दहशत फैल गई। रोगटे खड़े कर देने वाले दृश्य को देखकर उनके शरीरों में रिरहन दौड़ गई। बिस्कुट एजेंसी पर पेटी उठाते समय सांप निकला तो डर के मारे कर्मचारियों की हालत खराब हो गई। उन्होंने खुद को बचाने और वहां से भागने की कोशिश की। लेकिन कर्मचारियों को बचने का बिल्कुल भी मौका नहीं मिला। सांप ने बिना किसी को मौका दिए एक कर्मचारी को हाथ पर डस लिया। सांप की दहशत और उसके डसने के चलते शरीर में फैलते जहर से कर्मचारी की हालत बिगड़ने लगी। साथी कर्मचारियों और आसपास के दुकानदारो ने उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया। सांप को देखकर एजेंसी के कर्मचारियों की चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोगों और व्यापारियों की भीड़ वहां जुट गई। जिसने भी कर्मचारी को सांप द्वारा डसा जाना सुना वो हैरान रह गया। इस घटना से पूरे चौक बाजार में हड़कंप मच गया। पिछले कुछ दिनों के बाद इसके अलग-अलग जिलों में सांपों के निकलने और डसे जाने की खबरें आ रही हैं। गनीमत रही कि बुधवार को जिस कर्मचारी को सांप ने डसा उसके सहकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों की टीम कर्मचारी के इलाज में जुटी हुई है। इस घटना से आसपास के दुकानदारों और बाजार के अन्य लोगों में सांपों को लेकर दहशत पैदा हो गई है। लोग एक-दूसरे को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, बाजार के कई व्यापारियों और कर्मचारियों ने अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती कर्मचारी का हाल-चाल लिया।

सर्वे के नाम पर पंचायत चुनाव टालना असंवैधानिक, आरक्षण पर हाईकोर्ट ने क्या-क्या कहा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव टालने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्त हो गया है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि प्रदेश में ग्राम पंचायतों के चुनाव तीन महीने के भीतर संपन्न कराए जाएं। कोर्ट ने सर्वे के नाम पर चुनाव टालने को असंवैधानिक कहा। स्पष्ट किया कि धूप चुनाव मौजूदा आरक्षण व्यवस्था के तहत ही कराए जाएंगे। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण भी शामिल रहेगा। कोर्ट ने साफ कहा कि समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की जांच लंबित होने के आधार पर ओबीसी आरक्षित सीटों को सामान्य सीट नहीं माना जाएगा। चुनाव मौजूदा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण व्यवस्था के तहत ही होंगे। साथ ही एससी, एसटी और महिलाओं के लिए लागू आरक्षण नियमों का भी पालन किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने दशरथ यादव व अन्य कई की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को तत्काल चुनावी प्रक्रिया शुरू करने और इस निर्णय की लिथि से तीन महीने के भीतर चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार को आयोग को आवश्यक कर्मचारी, बजट और सुरक्षा बल उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243–ई के तहत 5 साल का कार्यकाल समाप्त होने पर समय पर चुनाव कराना अनिवार्य है। समर्पित आयोग द्वारा ट्रिपल टेस्ट के लिए एम्पिरिकल डेटा (आंकड़े) जुटाने की लंबी प्रक्रिया के नाम पर चुनावों को अनिश्चितकाल के लिए नहीं टाला जा सकता। हाईकोर्ट ने 18 मई 2026 को गठित सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राम अवतार सिंह की अध्यक्षता वाले समर्पित पिछड़ा वर्ग आसमर्पित आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने आगरा जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि 25 लाख से अधिक की ग्रामीण आबादी में से मात्र 175 लोग बैठक में आए और केवल 29 लोगों ने फॉर्म भरे।

देश में सबसे गहरा अंडरगाउंड मेट्रो स्टेशन लखनऊ में बनेगा, अभी यह रिकॉर्ड किसके नाम है



लखनऊ। लखनऊ, शुभांशु शेखर। लखनऊ मेट्रो के विस्तार के साथ शहर के नाम एक नया रिकॉर्ड जुड़ने जा रहा है। पाण्डेयगंज में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन जमीन की सतह से 35 से 38 मीटर नीचे बनाया जाएगा। इसके तैयार होने पर यह देश का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन होगा। अभी यह रिकॉर्ड हावड़ा मेट्रो स्टेशन के नाम है, जो जमीन से करीब 33 मीटर नीचे स्थित है। पाण्डेयगंज में स्टेशन के निर्माण के लिए उपलब्ध जमीन सबसे बड़ी चुनौती है। प्रस्तावित स्थल के एक तरफ नाला है, जबकि दूसरी ओर रेलवे ट्रैक होने से निर्माण के लिए पर्याप्त चौड़ाई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में जमीन की सीमित उपलब्धता को देखते हुए स्टेशन का डिज़ाइन तैयार किया जा रहा है। सामान्य तौर पर मेट्रो स्टेशन की संरचना अधिकतम तीन मंजिलों तक होती है, लेकिन पाण्डेयगंज स्टेशन को पांच

मंजिलों में विकसित करने की योजना है। इसकी वजह से स्टेशन का निर्माण तकनीकी रूप से भी चुनौतीपूर्ण होगा। फिलहाल हावड़ा मेट्रो स्टेशन देश के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में शामिल है। इसकी गहराई जमीन से लगभग 33 मीटर है। इसके मुकाबले पाण्डेयगंज स्टेशन 35 से 38 मीटर नीचे बनेगा। इस तरह प्रस्तावित स्टेशन हावड़ा से भी अधिक गहराई पर होगा। स्टेशन का निर्माण पूरा होने के बाद लखनऊ देश के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशन वाले शहर के रूप में पहचान बना सकता है। हावड़ा मेट्रो स्टेशन हावड़ा रेलवे स्टेशन के नीचे बना है। यह हुगली नदी के नीचे से गुजरने वाले मेट्रो मार्ग से जुड़ा है। पाण्डेयगंज मेट्रो स्टेशन की एक और खासियत यहां पर बिछाए जाने वाले मेट्रो रेलवे के ट्रैक की होगी। यहां पर जाने और आने वाली ट्रेनों के ट्रैक को अन्य स्टेशनों की तरह

समानांतर न बिछा कर ऊपर और नीचे बिछाया जाएगा। यानी कि जाने और आने वाली वाली ट्रेन में से किसी एक का ट्रैक नीचे होगा तो उसके ऊपर की मंजिल पर दूसरा ट्रैक होगा। ट्रैक का यह सिस्टम भी देश में अपने आप में अनोखा और पहला होगा। लखनऊ मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार स्थान की कमी के कारण ही ऐसा किया जाएगा। तकनीकी और सुरक्षा कारणों से दोनों ट्रैक के बीच एक मंजिल को खाली रखा जाएगा।

इस मंजिल का प्रयोग मेट्रो के संचालन में इस्तेमाल किए जाने वाले सिस्टम को फिट करने में किया जाएगा। पाण्डेयगंज स्टेशन की गहराई 35 से 38 मीटर होगी जो कि किसी 12 मंजिला भवन की ऊंचाई से भी अधिक होगी। जगह की कमी के चलते इसका डिज़ाइन भी सामान्य मेट्रो स्टेशनों से बिल्कुल अलग होगा। सामान्यत मेट्रो

स्टेशनों को तीन मंजिला बनाया जाता है, जिसमें एक पर कॉनकोर्स, दूसरे पर टिकट काउंटर व कार्यालय आदि और तीसरे पर प्लेटफार्म और ट्रैक होता है। पाण्डेयगंज स्टेशन को पांच मंजिला बनाया जाएगा, जिसमें एक में कॉनकोर्स, दूसरे में टिकट काउंटर व कार्यालय आदि, तीसरे पर अप या डाउन ट्रैक और प्लेटफार्म, चौथे को खाली छोड़ा जाएगा और पांचवें पर अप या डाउन ट्रैक और प्लेटफार्म होगा।

भूमिगत स्टेशन 07–इसमें नवाबगंज, मेडिकल चौराहा, सिटी रेलवे स्टेशन, पाण्डेयगंज, अमीनाबाद, गौतमबुद्ध मार्ग और चारबाग शामिल हैं। एलिवेटेड 4.29 किमी– एलिवेटेड स्टेशन 05– इसमें ठाकुरगंज, बालागंज, सरफराजगंज, मूसाबाग और बसंतकुंज मुख्य इंटरचेंज- चारबाग दिशा- चारबाग से वसंतकुंज

कारोबारी शिवा की हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की कार नेपाल बार्डर से बरामद, इस रूट से हुई फरार

लखनऊ। हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की कार नेपाल बार्डर से बरामद की गई है। आशंका जताई जा रही है कि रुपईडीहा रूट से श्रद्धा चार दिन पहले ही नेपाल फरार हो गई है। लखनऊ के बहुचर्चित कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की एसयूवी कार बहराइच के भारत–नेपाल सीमा से सटे रुपईडीहा में मिली है। कहा जा रहा है कि नेपालगंज जाने की बातकहकर वह निकली थी। उधर, लखनऊ की पुलिस रुपईडीहा कस्बे से सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। आशंका जताई जा रही है कि रुपईडीहा रूट से श्रद्धा चार दिन पहले ही नेपाल फरार हो गई है। बुधवार सुबह रुपईडीहा कस्बे में सौंदर्य एसयूवी शुक्ला पार्किंग में खड़ी होने की सूचना पुलिस को मिली थी। काफी खोजबीन के बाद दोपहर करीब 3 बजे तक इसका कोई वारिस नहीं मिला। जांच में पुष्टि हुई कि यह वाहन आरोगी श्रद्धा दुबे का है। बताया जा रहा है कि गाड़ी यूपी–32 व्यू 0111 पिछले 10 अक्टूबर से शुक्ला पार्किंग में खड़ी थी।

लखनऊ की पुलिस भी पहुंची है,जो सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। आपको बता दें कि लखनऊ में अपार्टमेंट के चौथे तल से संदिग्ध हालात में गिरकर शुक्रवार रात चिकन कारोबारी व कैफे संचालक शिवा शर्मा की मौत हो गई थी। शिवा अलौंगज कपूथला में रहते थे। शिवा की मां रंजना ने

मॉडल श्रद्धा पर बेटे को झूठे मुकदमे में फंसाने, सिगरेट से चलाने, माफिया और कई नामचीन लोगों से धमकी दिलाने का आरोप लगाया है। शिवा एक साल से मॉडल श्रद्धा दुबे के साथ लिवइन में रह रहे थे।

पिड़ित मां ने श्रद्धा उसकी बहन रश्मि समेत चार के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के बाद से श्रद्धा उसकी बहन समेत अन्य आरोपी फरार हैं। नेपाल श्रद्धा की मुफ़ीद पनाहमाह है। पुलिस की पुष्टताछ में श्रद्धा से जुड़े कई लोगों ने बताया कि श्रद्धा का अकसर नेपाल आना जाना रहता था। वहां के कई लोगों से वह संपर्क रही है। इसके अलावा कई नामचीन इवेंट कंपनी के संचालकों और स्टैन–फेशन शो कराने वाले नामचीन लोगों श्रद्धा के करीबी थे। उनका श्रद्धा से अक्सर मिलना जुलना था। पुलिस की रडार पर इवेंट कंपनी संचालक और स्टैन–फेशन शोर कराने वाले भी रडार पर हैं। श्रद्धा ने हजरतगंज कोतवाली में कुछ महीने पहले व्यवसायी रिजवान के खिलाफ छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने व्यवसायी रिजवान के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल थी। इस मामले में श्रद्धा के खिलाफ वसुली के आरोप लगे थे कि उसने रुपये ऐंटने के लिए यह मुकदमा दर्ज कराया है। हजरतगंज पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है।

अंडरवियर में कारोबारी, प्लैट में सेक्स टॉयस; फरार मॉडल श्रद्धा दुबे अब सब कुछ बताने को बेताब

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में केवल अंडरवियर में कारोबारी शिवा शर्मा के अपार्टमेंट से गिरकर मरने और प्लैट से सेक्स टॉयज समेत आपत्तिजनक वस्तुओं का राज अब खुद खोलने को मॉडल श्रद्धा दुबे बेकरार है। पुलिस का शिकंजा कसने पर उसने वीडियो जारी कर खुद को निर्दोष बताया है। बुधवार को ही पुलिस ने उसका पीछा करते हुए नेपाल बार्डर पर उसकी कार बरामद की थी। उसके पीछे दस टीकों का लगाया है और 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। पिछले हफ्ते अपार्टमेंट से गिरकर कारोबारी की मौत के बाद वह फरार हो गई थी। कारोबारी का शव केवल अंडरवियर में मिला था। पुलिस को श्रद्धा के प्लैट

से सेक्स टॉयज, शक्तिवर्धक नशीली दवाएं और कई आपत्तिजनक वस्तुएं मिली थीं। इसके बाद श्रद्धा के साथ उसकी बहन पर कारोबारी की हत्या का केस दर्ज किया गया था। श्रद्धा का वीडियो बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में उसने खुद को निर्दोष बताया। कह कि किसी नेता अथवा अधिकारी के साथ मेरा नाम न जोड़ा जाए। अगर कोई मेरे साथ इंस्टाग्राम पर जुड़ा है तो ऐसा नहीं है कि मेरा उससे कोई कनेक्शन है। मेरे बारे में अफवाह न फैलाएं। श्रद्धा ने कहा कि वह खुद पुलिस के पास जाकर पूरी घटना को सच्चाई बताना चाहती है। शिवा शर्मा कांड से संबंधित जो भी सच है वह सब बताना चाहती है। उसने दवा

किया कि शिवा की हत्या नहीं हुई थी। उसने आत्महत्या की थी। हालांकि आत्महत्या के कारणों पर कुछ नहीं बोली। बालू अड्डा स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट के चौथे तल से संदिग्ध हालात में गिरकर शुक्रवार रात चिकन कारोबारी व कैफे संचालक शिवा शर्मा की मौत हो गई थी। शिवा अलौंगज कपूथला में रहते थे। शिवा की मां रंजना ने मॉडल श्रद्धा पर बेटे को झूठे मुकदमे में फंसाने, सिगरेट से जलाने समेत कई आरोप लगाए थे। शिवा एक साल से मॉडल के साथ लिव इन में रह रहे थे। मां ने श्रद्धा उसकी बहन रश्मि समेत चार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। शिवा को धमकाने का श्रद्धा का ऑडियो भी वायरल हुआ है।

साहिल-मुस्कान की अब नहीं हो पाएगी मुलाकात, कैदी नंबर से होगी दोनों की पहचान

मेरठ। सौरभ राजपूत हत्याकांड में फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद मुस्कान और साहिल की जेल में दिनचर्या बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब दोनों को विचाराधीन बंदियों के बजाय कैदियों से जुड़े नियमों के तहत रहना होगा। जेल में उनकी पहचान कैदी नंबर से होगी और निर्धारित यूनिफॉर्म पहननी पड़ेगी। कामकाज, गिनती और निगरानी की व्यवस्था भी नियमों के अनुसार लागू होगी। जिला जेल के वरिष्ठ अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, सजा सुनाए जाने के बाद कैदियों की श्रेणी और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं में बदलाव किया जाता है। मुस्कान और साहिल 19 मार्च 2025 से जेल में बंद हैं। अब उनके लिए सजायापत्ता कैदियों के नियमों के अनुसार व्यवस्था की जाएगी। मुस्कान और साहिल के बीच पति-पत्नी या खून के रिश्ते का संबंध नहीं है। ऐसे में जेल के नियमों के तहत उनकी आपस में मुलाकात नहीं हो सकती। वीडियो कॉन्फेंसिंग के जरिए हुई पेशी में दोनों आखिरी बार एक-दूसरे के सामने आए थे। जेल प्रशासन के मुताबिक, सजायापत्ता कैदियों को दूसरी जेल में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया उपलब्ध जगह और लंबित सूची के आधार पर आगे बढ़ती है। पुरुष कैदियों को आमतौर पर आगरा की केंद्रीय जेल और महिला कैदियों को लखनऊ की जेल भेजा जाता है। हालांकि, स्थानांतरण संबंधित जेल में जगह उपलब्ध होने पर निर्भर करेगा। फिलहाल करीब 300 पुरुष और 17–18 महिला कैदियों का स्थानांतरण लंबित है। ऐसे में पहले से प्रतीक्षारत कैदियों को भेजने के बाद ही मुस्कान और साहिल की बारी आ सकती है। विचाराधीन बंदियों को अपने कपड़े पहनने की छूट रहती है, लेकिन सजायापत्ता कैदियों को निर्धारित यूनिफॉर्म पहननी होती है।

मेरी बेटियों का ख्याल रखना, मौत की सजा सुनते ही कोर्ट में रोते हुए बोली मुस्कान

लखनऊ। देशभर को झकझोर देने वाले मेरठ के चर्चित ब्लू इम मर्डर केस में उत्तर प्रदेश की मेरठ जिला अदालत ने बुधवार, 14 अक्टूबर को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व मर्वैट नेवी अफसर सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या करने और शव को सीमेंट से भरकर नीले इम में छिपाने के जुर्म में मृतक की पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा ने मामले को रेअरेस्ट ऑफ रेयर करार देते हुए अपने फैसले में टिप्पणी की, एक सभ्य समाज में ऐसे जघन्य और पक्सर अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं है। सजा सुनाए जाने से ठीक पहले कोर्ट रूम में उस समय भावुक माहौल बन गया जब दो बेटियों की मां मुस्कान ने अदालत के सामने अपनी बेटियों के भविष्य की चिंता जताते हुए गूहार लगाई। मुस्कान ने अपनी बड़ी बेटी से मिलने और उसके नाम एक पत्र लिखने की अनुमति मांगी। उसने भावुक अपील करते हुए कहा, मेरी मासूम बेटियों का ख्याल रखा जाए और उन्हें अच्छी देखभाल मिले। मुस्कान की बड़ी बेटी अपने नाना–नानी (मायके) के पास रह रही है, जबकि मार्च 2025 में जेल जाने के बाद उसने अपनी दूसरी बेटी को जेल परिसर के भीतर ही जन्म दिया था। 29 साल के पूर्व मर्वैट नेवी अफसर सौरभ राजपूत 24 फरवरी 2025 को मेरठ स्थित अपने घर वापस लौटा था। 3 मार्च 2025 (हत्या की



रात): मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति समाज में ऐसे जघन्य और पक्सर अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं है। सजा सुनाए जाने से ठीक पहले कोर्ट रूम में उस समय भावुक माहौल बन गया जब दो बेटियों की मां मुस्कान ने अदालत के सामने अपनी बेटियों के भविष्य की चिंता जताते हुए गूहार लगाई। मुस्कान ने अपनी बड़ी बेटी से मिलने और उसके नाम एक पत्र लिखने की अनुमति मांगी। उसने भावुक अपील करते हुए कहा, मेरी मासूम बेटियों का ख्याल रखा जाए और उन्हें अच्छी देखभाल मिले। मुस्कान की बड़ी बेटी अपने नाना–नानी (मायके) के पास रह रही है, जबकि मार्च 2025 में जेल जाने के बाद उसने अपनी दूसरी बेटी को जेल परिसर के भीतर ही जन्म दिया था। 29 साल के पूर्व मर्वैट नेवी अफसर सौरभ राजपूत 24 फरवरी 2025 को मेरठ स्थित अपने घर वापस लौटा था। 3 मार्च 2025 (हत्या की

एमएलसी चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग पहुंची सपा, सीएम योगी पर लगाए यह आरोप
लखनऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले हो रहे विधान परिषद यानी एमएलसी चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गए हैं। एक तरफ भाजपा ने इसे जीतने के लिए ताकत झोंक दी है तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी निर्वाचन आयोग पहुंची है। सपा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाए है। सपा ने मांग की कि मुख्यमंत्री के दौरो और कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी कराई जाए। फूटज के आधार पर आचार संहिता के उल्लंघन को देखा जाए और नोटिस जारी की जाए। यूपी में 11 सीटों पर शिक्षक और स्नातक खंड विधान परिषद चुनाव हो रहे हैं। वोटिंग 23 अक्टूबर को होनी है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर कहा है कि मुख्यमंत्री लगातार आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। प्रदेश में विधान परिषद सीटों के लिए चल रहे चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। सपा ने शिकायत में मुख्यमंत्री के आयोजनों और कार्यक्रमों को आधार बनाया है। कहा कि मुख्यमंत्री ने 12 अक्टूबर 2026 को गोरखपुर में 12 हजार शिक्षकों से संवाद किया और 13 अक्टूबर को 68 हजार ग्राम प्रहरी का मानदेय बढ़ाया। चौकीदारों की भर्ती की घोषणा कर के मतदाताओं को प्रभावित करने को साजिश की गई। मुख्यमंत्री ने चुनाव की घोषणा हो जाने के बाद लखनऊ में प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता और अध्यापकों को नियुक्ति पत्र सौंपा। कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता में स्पष्ट निर्देश दिया है कि आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के बाद शिक्षक और स्नातक मतदाता को प्रभावित करने वाले कोई कार्यक्रम या कोई घोषणा नहीं की जायेगी। सपा ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक इलाहाबाद, झांसी और लखनऊ निर्वाचन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। डीएम और अन्य अधिकारियों पर भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए दबाव बना रहे हैं।

देश की रक्षा में शस्त्र धारण के लिए भी रहें तैयार, वाराणसी में बोले सीएम योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शस्त्र सिर्फ पूजन की वस्तु नहीं हैं। राष्ट्रक्षा के लिए भी हमें शस्त्र धारण के लिए तैयार रहना पड़ेगा। कहा कि एक संन्यासी कभी धन के लिए धर्म का त्याग नहीं करता। उसका पूरा जीवन धर्म के लिए होता है। युद्ध छिड़ जाने पर संन्यासी भी शस्त्र धारण करते हैं। उनका ध्येय होना चाहिए कि युद्ध छिड़ गया तो बम–गोले भी दाम्गंग। देश और धर्म के लिए किया गया हर त्याग महान है। शांति के समय धर्म का स्वरूप संयम, सौहार्द और लोककल्याण है, लेकिन राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर संघर्ष के लिए भी तैयार रहना चाहिए। वह बुधवार को वाराणसी में भारत सेवाश्रम संघ के शताब्दी समारोह में बोल रहे थे। कहा, सेवाश्रम संघ में मां भगवती की पूजा केवल धूप और दीया से नहीं होती, शस्त्रों से भी पूजन होता है। सीएम योगी ने कहा कि संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद ने देश–विदेश

में सनातन मूल्यों और ऋषि परंपरा का प्रसार किया। उनके आदर्शों पर यह संस्था आगे बढ़ रही है। उन्होंने याद किया कि स्वामी प्रणवानंद ने गोरखपुर में गोरक्षपीठ के तत्कालीन सदस्योंकी बाबा गंभीरनाथ से दीक्षा लेकर काशी में संघ की स्थापना की। उसके बाद देश के कोने–कोने में भारत सेवाश्रम संघ की शाखाएं खोली गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जब हिन्दू विरोधी सरकार थी, तब भी संघ के संन्यासी सनातन मूल्यों और हिन्दू समाज के हितों के लिए डटे रहे। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र संकट में होता है तो उसकी आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत भी संकट में पड़ जाती है। उन्होंने सवाल किया कि विदेशी आक्रांता सफल नहीं होते तो क्या काशी विधानथ मंदिर को अपवित्र और क्षतिग्रस्त करने का दुस्साहस होता। क्या राम जन्मभूमि पर पांच सौ वर्षों तक गुलामी का कलंक रहता या श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ऐसा संकट खड़ा होता।

यूपी में 3 महीने में पंचायत चुनाव कराने का हाई कोर्ट का आदेश, ग्राम प्रधान बने रहेंगे प्रशासक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तीन महीने के अंदर पंचायत चुनाव कराने का आदेश दिया है। तब तक ग्राम प्रधान ही प्रशासक के तौर पर काम करते रहेंगे। कोर्ट ने कहा है कि निवर्तमान ग्राम प्रधान ही प्रशासक के रूप में काम करते रहेंगे। करीब तीन घंटे तक चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। न्यायामूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में समय से पंचायत चुनाव कराने और ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने के फैसले को कुल 11 याचिकाओं ने चुनौती दी गई थी। इनमें छह जनहित याचिकाएं भी शामिल हैं। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ में इन सभी



याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन याचिकाओं में योगी सरकार के 25 मई के उस फैसले को चुनौती दी गई थी जिसमें ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाया गया था। इन केसों में उत्तर प्रदेश सरकार, पंचायती राज विभाग के निदेशक, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला पंचायती राज अधिकारी को पक्षकार बनाया गया था। तीन महीने में पंचायत चुनाव कराने के

आदेश के साथ ही इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रशासकों की नियुक्ति और एवट की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। यानी योगी सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक के रूप में ग्राम प्रधान काम करते रहेंगे। इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस फैसले से सवाल खड़ा हो गया है कि क्या यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव होंगे।

हालांकि अभी कानूनी प्रक्रिया के तहत फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी जा सकती है। जानकारों का कहना है कि यदि सरकार को लगता है कि तीन महीने के अंदर पंचायत चुनाव करना संभव नहीं है तो फिर सुप्रीम कोर्ट में एपलपीट दी जा सकती है। सरकार, सुप्रीम कोर्ट से हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने या तीन महीने में पंचायत चुनाव देने की

मांग कर सकती है। जानकारों का कहना है कि सरकार हाई कोर्ट से भी समय बढ़ाने की मांग कर सकती है। इसके लिए पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का विकल्प उसके पास है। उत्तर प्रदेश में मई 2026 में ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो गया था।

इसके बाद समय पर चुनाव नहीं हो सके तो इसकी सबसे बड़ी वजह ओबीसी आरक्षण से जुड़ी प्रक्रिया और इससे जुड़ा कानूनी विवाद रहा। राज्य सरकार ने आरक्षण तय करने के लिए आयोग का गठन किया था लेकिन रिपोर्ट आने में देरी हुई। उधर, जब समय से पंचायत चुनाव नहीं हो सके तो सरकार ने निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त कर दिया।

सरकार के इस फैसले को कई याचिकाओं के जरिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।



वॉलीवुड अपडेट

'दृश्यम 3' की कमाई 500 करोड़ पार



क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 3' ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। 501.80 करोड़ रुपए के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ यह अजय देवगन के करियर की 500 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली बतौर लीड एक्टर पहली फिल्म बन गई है। ट्रेड वेबसाइट सैकनलिक के मुताबिक, फिल्म ने भारत में अब तक 323.50 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही यह साल 2026 में भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी फिल्म बन गई है।

● **मंगलवार को कमाई में आया 41% का उछाल**
फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को भारत में 8.50 करोड़ रुपए की कमाई की। सोमवार के 6 करोड़ रुपए के कलेक्शन के मुकाबले इसमें 41.7% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मंगलवार को टिकटों के दाम कम होने और करीब 1,000 नई स्क्रीन जुड़ने के कारण कलेक्शन में यह सुधार देखने को मिला। इससे पहले फिल्म ने अपने पहले हफ्ते में



राष्ट्रपति भवन में दिखाई जा सकती है फिल्म ‘रामायण’

फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है। इसी दिन दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में राजनीतिक नेताओं के लिए फिल्म की स्क्रीनिंग हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स इस खास स्क्रीनिंग के लिए जरूरी अनुमतियां लेने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्क्रीनिंग में रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी और फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, मेकर्स फिल्म के दो प्रीमियर आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। इनमें से एक मुंबई और दूसरा दिल्ली में हो सकता है। मुंबई में प्रीमियर के लिए नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (NMACC) का नाम सामने आया है। हाल ही में रणबीर कपूर का एक पोस्टर सामने आया, जिसमें वे पुत्र का फर्ज निभाते हुए अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करते नजर आ रहे हैं।

हाल ही में रणबीर कपूर का एक पोस्टर सामने आया, जिसमें वे पुत्र का फर्ज निभाते हुए अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करते नजर आ रहे हैं।

हाल ही में रणबीर कपूर का एक पोस्टर सामने आया, जिसमें वे पुत्र का फर्ज निभाते हुए अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करते नजर आ रहे हैं।

हाल ही में रणबीर कपूर का एक पोस्टर सामने आया, जिसमें वे पुत्र का फर्ज निभाते हुए अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करते नजर आ रहे हैं।



अनीत पट्टा ने अहान के साथ सेलिब्रेट किया बर्थडे

फिल्म 'सैयारा' फेम अनीत पट्टा ने अपना 24वां जन्मदिन मनाया। पार्टी में उनके को-स्टार अहान पांडे, उनकी मां डियाना पांडे और आलिया भट्ट शामिल हुईं। मंगलवार को 'सैयारा' के को-एक्टर आलम खान ने पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। हालांकि, आलम ने बाद में पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन फैन्स ने तस्वीरें सेव कर लीं और उन्हें ऑनलाइन शेयर कीं। पार्टी में घर को गुलाबी और हरे गुब्बारों से सजाया गया था। अनीत ने छोटी पीली बाँड़ीकॉन ड्रेस पहनी थी। वहीं, अहान शिमरी काली शर्ट और काली जींस में नजर आए।

अहान ने अनीत को खास अंदाज में विश किया

उन्होंने लिखा, “तुम ब्रह्मांड का तोहफा हो, अनीत। तुम जिस चीज को छूती हो, वह तारों की धूल में बदल जाती है। मेरी कामना है कि ब्रह्मांड हमेशा तुम्हारे साथ उतना ही नरम रहे, जितनी तुम उसके साथ रहती हो। यह कभी मत भूलना कि तुम अपने पीछे कितनी रोशनी छोड़ जाती हो। तुम्हें बहुत-बहुत जन्मदिन की शुभकामनाएं।”

अनीत ने अहान के बर्थडे विश का जवाब देते हुए लिखा, “तुम पूरी दुनिया के सबसे अच्छे इंसान हो। थैंक यू, मेरे अहान।”

गौरतलब है कि 'सैयारा' रिलीज होने के बाद से अनीत और अहान को कई मौकों पर साथ देखा गया है।

अनीत को अहान के परिवार के साथ भी देखा गया है। हाल ही में उन्होंने

मुंबई में अहान की बहन अलाना पांडे के बेबी शॉवर में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने अहान की कजिन अनन्या पांडे के साथ एक मजेदार गेम में भी हिस्सा लिया था।

‘सैयारा’ से दोनों की पहचान मिली

‘सैयारा’ अहान पांडे की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म से अनीत को पहचान मिली। मोहित सूरि के निर्देशन में बनी 2025 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही। फिल्म में अनीत और अहान की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया। दोनों के बार-बार साथ नजर आने से उनके रिश्ते को लेकर अटकलें भी लगती रही हैं। हालांकि, अनीत और अहान दोनों ने खुद को सबसे अच्छे दोस्त बताया है।

‘शक्ति शालिनी’ में नजर आएंगी अनीत

वर्कफ्रंट पर अनीत जल्द 'शक्ति शालिनी' में लीड रोल निभाएंगी। यह फिल्म मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में दिवंगत नाना पाटेकर और विशाल जेटवा समेत अन्य कलाकारों के भी नजर आने की उम्मीद है। फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर पलटी SUV



इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म गनमास्टर G9 के सेट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। इसमें हवा में पलटी SUV नीचे खड़ी वैन पर गिरती दिख रही है। वीडियो में आउटडोर सेट पर एक कार स्टैंट नजर आ रहा है। हालांकि मेकर्स ने अब तक नहीं बताया कि यह सब प्लान किया गया था या स्टंट के दौरान हादसा हो गया। हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वीडियो में SUV के नीचे गिरते ही क्रू मेंबर्स और आसपास मौजूद लोग उसकी ओर भागते दिखते हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि जब क्रेन का मैकेनिज्म फेल हुआ और हवा में घूम रही SUV नीचे गिरी, तब इमरान हाशमी वहीं जमीन पर खड़े थे। वह गाड़ी उनके चेहरे से महज एक फीट (या कुछ इंच) की दूरी पर आकर नीचे खड़ी वैन से टकराई। हालांकि, वीडियो में इमरान हाशमी क्लियर नहीं दिख रहे हैं। न ही इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो पाई है कि वह वहां मौजूद थे। गौरतलब है कि इमरान हाशमी इन दिनों गनमास्टर G9 की शूटिंग कर रहे हैं। सेट से सामने आए इस वीडियो में सड़क पर स्टंट की तैयारी दिखाई गई है। वीडियो में एक SUV को बड़े कंस्ट्रक्शन क्रेन सर्विस वाहन से हवा में लटकाया गया है। पक्की सड़क पर क्रू मेंबर्स और अन्य लोग इस सेटअप को देख रहे हैं। इसके बाद काउंटडाउन शुरू होता है। काउंटडाउन खत्म होते ही क्रेन की केबल से SUV अचानक झटके के साथ हवा में पलट जाती है। SUV नीचे की ओर घूमते हुए गिरती है और वहां खड़ी काली वैन की छत से जोरदार टक्कर होती है। इसके बाद अन्य प्रोडक्शन वाहन और क्रू मेंबर्स कार की तरफ भागते हैं।

फिल्म में ये कलाकार हैं
फिल्म गनमास्टर G9 में इमरान हाशमी ईश्वर का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा आरती और अपारशक्ति खुराना देसू के रोल में हैं। फिल्म की कहानी सरीम मोमिन और जुनैद वासी ने लिखी है। आदित्य दत्त इसके डायरेक्टर हैं।

गनमास्टर G9 में इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया फिर साथ आए हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे प्रेमी की है, जो अपनी पसंद की महिला के साथ रहने के लिए बेहद कदम उठाता है। इस दौरान उसका सामना एक खतरनाक दुश्मन से होता है। दीपक मुकुट, हुनर मुकुट और संगीता अहीर फिल्म के निर्माता हैं। ये सभी सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनर के तहत फिल्म बना रहे हैं।

हरिद्वार में जून 2026 में गनमास्टर G9 की शूटिंग के दौरान बार एंड रेस्टोरेंट के सेट को लेकर विवाद हुआ था। हिंदूवादी संगठनों और तीर्थ पुरोहितों ने सेट पर पहुंचकर बोर्ड का विरोध किया था। उन्होंने फिल्म यूनिट से पूछा था कि हरिद्वार में ऐसा बोर्ड लगाने की अनुमति किसने दी। विरोध बढ़ने पर मेकर्स को बोर्ड से 'बार' शब्द हटाना पड़ा था। घटना के वीडियो भी सामने आए थे, जिनमें लोग फिल्म यूनिट से बहस करते नजर आए थे। दोनों एक्टर उस समय फिल्म 'गनमास्टर G9' की शूटिंग के लिए हरिद्वार और देहरादून में मौजूद थे।

अभिनेत्री कादंबरी जेटवानी का आरोप अगवा कर प्रताड़ित किया गया

मुंबई की अभिनेत्री कादंबरी जेटवानी से जुड़ा पुराना विवाद एक बार फिर चर्चा में है। अभिनेत्री ने आरोप लगाया था कि आंध्र प्रदेश की तत्कालीन वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के प्रभावशाली नेताओं और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें प्रताड़ित किया। एक टेलीविजन चैनल से बातचीत में उन्होंने दावा किया था कि उन्हें मुंबई से अगवा कर विजयवाड़ा ले जाया गया और एक कथित झूठे मामले में 45 दिन से अधिक समय तक जेल में रखा गया। हालांकि, इस मामले में अभिनेत्री के आरोपों के साथ-साथ उनके खिलाफ दर्ज मामले की जांच से जुड़े दूसरे पक्ष को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

कादंबरी जेटवानी ने आरोप लगाया था कि विजयवाड़ा के पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष कुक्कला विद्यासागर और उनसे जुड़े लोगों ने उन्हें परेशान किया। अभिनेत्री के मुताबिक, उन्हें अश्लील संदेश भेजे जाते थे और वीडियो कॉल के दौरान भी अप्रद्व व्यवहार किया जाता था। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की भूमिका थी।

परिवार को धमकाने का भी आरोप: अभिनेत्री ने आरोप लगाया था कि उन्हें विजयवाड़ा ले जाने के बाद उनके और उनके परिवार के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके परिवर्जनों और रिश्तेदारों को धमकाया गया तथा घटना के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। जेटवानी के अनुसार, इस घटना ने उनके निजी जीवन और कामकाज को बुरी तरह प्रभावित किया। उन्होंने कहा था कि लंबे समय तक वह मानसिक दबाव में रही और सामान्य जीवन में

45
दिन से अधिक जेल में रखने का दावा, पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस सरकार के नेताओं और पुलिस अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

लौटने के लिए संघर्ष करती रहीं।

पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल: कादंबरी जेटवानी ने तत्कालीन पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि उनके खिलाफ कार्रवाई जल्दबाजी में की गई। उनका दावा था कि उन्हें और उनके बुजुर्ग माता-पिता को भी परेशान किया गया। अभिनेत्री ने मांग की थी कि मामले में शामिल सभी लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

यह विवाद वर्ष 2024 में सामने आया था। उस समय अभिनेत्री को शिकायत के बाद आंध्र प्रदेश के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को कथित अवैध गिरफ्तारी के मामले में निलंबित किया गया था।



तनुश्री ने नाना पाटेकर के अंतिम संस्कार पर उठाए सवाल

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने वरिष्ठ अभिनेता नाना पाटेकर के निधन और उनके अंतिम संस्कार के समय पर सवाल खड़े किए हैं। इंस्टाग्राम लाइव के दौरान तनुश्री ने दावा किया कि बॉलीवुड या मीडिया से किसी भी व्यक्ति ने नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर नहीं देखा। उन्होंने देर रात 11:28 बजे अंतिम संस्कार किए जाने की जल्दबाजी पर भी आपत्ति जताई है। तनुश्री ने आरोप लगाया है कि कानूनी मामलों से बचने के लिए यह नाटक रचा गया हो सकता है। 8 अक्टूबर को 75 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से नाना पाटेकर का निधन हुआ था।

इंस्टाग्राम लाइव में अंतिम संस्कार पर उठाए सवाल:
तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम लाइव में कहा कि बॉलीवुड और मीडिया के लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कोई प्रार्थना सभा आयोजित नहीं की गई। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म की परंपरा के अनुसार आमतौर पर सूर्यास्त के बाद अंतिम संस्कार नहीं किया जाता है, लेकिन नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार 8 अक्टूबर की रात 11:28 बजे पुणे के पास डोन्ने गांव वाले फार्महाउस पर किया गया।

'अस्पताल ले जाने के वीडियो और फोटो क्यों नहीं हैं': तनुश्री ने इंस्टाग्राम लाइव में अस्पताल से जुड़ी प्रक्रियाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब उनका एक्सीडेंट हुआ था, तब भी फोटो और वीडियो सामने आए थे।

हालांकि, नाना पाटेकर को अस्पताल ले जाने, वहां मृत घोषित करने और पोस्टमार्टम किए जाने का एक भी वीडियो या फोटो सामने नहीं आया। उन्होंने दावा किया कि अंतिम संस्कार के समय चेहरा ढका हुआ था, जिससे किसी को असलियत पता नहीं चली।

विदेश में ज़िंदा होने का दावा, डीएनए टेस्ट की मांग:
तनुश्री दत्ता ने यह भी दावा किया कि जिस शरीर का अंतिम संस्कार किया गया, वह नाना पाटेकर का नहीं था। उन्होंने आशंका जताई कि कानूनी मुकदमों और पुलिस जांच से बचने के लिए फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनवाया गया हो सकता है और अभिनेता सिंगपुर या मलेशिया में मौजूद हो सकते हैं।

मीटू आंदोलन से शुरू हुआ था विवाद: तनुश्री दत्ता और नाना पाटेकर के बीच विवाद साल 2008 से चला आ रहा है। तनुश्री ने फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' के एक गाने की शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। साल 2018 में जब भारत में मीटू (#MeToo) आंदोलन शुरू हुआ, तब यह मामला दोबारा सुर्खियों में आया। तनुश्री के वकील नितिन सतपुते ने अक्टूबर 2018 में मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में अर्जी देकर नाना पाटेकर, कोरियोग्राफर गणेश आचार्य, प्रोड्यूसर समी सिद्दीकी और डायरेक्टर राकेश सारंग का नार्को-एनालिसिस और लाई-डिटैक्टर टेस्ट कराने की मांग की थी।

बोली-
बॉलीवुड में किसी ने शव नहीं देखा, विदेश में ज़िंदा हो सकते हैं

गौरव पूर्ण भारत



एक नज़र

पार्थिव पटेल ने बीसीसीआई चयनकर्ता पद के लिए नहीं किया आवेदन, प्रज्ञान ओझा होंगे पूर्णकालिक चीफ सिलेक्टर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सीनियर पुरुष चयन समिति में पश्चिम क्षेत्र के प्रतिनिधि के तौर पर अजीत अगरकर की जगह लेने के लिए भारत के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल को प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन उन्होंने इस पद के लिए आवेदन नहीं किया है, इससे प्रज्ञान ओझा के लिए कार्यकाल के बचे समय तक अध्यक्ष बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। पश्चिम क्षेत्र के खाली पद को भरने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो गई, लेकिन पार्थिव ने चयन प्रक्रिया से दूर रहने का फैसला किया। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, मुझे नहीं पता कि बीसीसीआई की समयसीमा बढ़ाया या नहीं, लेकिन 14 अक्टूबर को शाम पांच बजे तक पार्थिव ने आवेदन नहीं किया था। अगर समयसीमा बढ़ाई जाती है या वह अपना फैसला बदलते हैं, तो स्थिति बदल सकती है। दक्षिण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले ओझा के अपने कार्यकाल के बचे समय तक अध्यक्ष बने रहने की संभावना है। मौजूदा चयनकर्ताओं में उनके नाम सबसे अधिक टेस्ट मैच होने से उनकी पूर्व विकेटकीपर समीर दिवे का नाम भी चर्चा में है। चयनकर्ताओं के पदों के लिए पिछली बार आवेदन आमंत्रित किए जाने पर पोवार और दिवे दोनों ने आवेदन किया था। हालांकि पश्चिम क्षेत्र से इस पद के लिए योग्य और प्रमुख उम्मीदवारों की संख्या सीमित दिखाई दे रही है। इसकी स्थिति तभी बदल सकती है, जब बीसीसीआई आवेदन की समयसीमा बढ़ाकर पार्थिव को आवेदन करने का मौका दे। फिलहाल ऐसा लगता है कि पार्थिव सीनियर चयन समिति में भूमिका निभाने के बजाय गुजरात टाइटंस के कोचिंग स्टाफ और कमेंट्री से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियां जारी रखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया से करारी हार के बाद हर्शल गिब्स ने दिया बदलाव का सुझाव, 2 खिलाड़ियों को चाहते हैं बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को पहले टेस्ट मैच में 214 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने दूसरी पारी में 6 विकेट चटकाए। इस हार के बाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हर्शल गिब्स ने दूसरे मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में बदलाव का सुझाव दिया है। उन्होंने कागिसो रबाडा को वापस बुलाने और रयान रिक्लटन को बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज शामिल करने के लिए कहा है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने चौथी पारी में लगभग छह घंटे तक संघर्ष किया। उन्होंने 237 गेंद पर 75 रन बनाए। हालांकि उनके अलावा अन्य बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। मार्करम का कैच मिचेल स्टार्क की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने लपका। मैदानी अंपायर ने शुरुआत में उन्हें नॉटआउट दिया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने डीआरएस का सहारा लिया जिसके बाद फैसला बदल गया। हेजलवुड ने मार्करम और वियान मुल्डर के बीच चल रही संघर्षपूर्ण साझेदारी को तोड़ा। दोनों ने सोमवार को यह साक्षात्कारी शुरु की थी और मंगलवार को भी लगभग दो घंटे तक ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को परेशान किया। हेजलवुड ने एनरिच नोर्किया (०4) को नाथन लियोन के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। इस हार के साथ अफ्रीका के सफल टेस्ट कप्तान तेम्बा बाबुमा का लगातार 12 मैच जीतने का सिलसिला टूट गया। अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट में 421 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैच रेंशॉ ने अफ्रीका के गेंदबाजों को जमकर थकाया। उन्होंने पहली पारी में 397 गेंदों में 190 रन की पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 99 गेंद में 82 रन बनाए। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण के सामने अफ्रीका के बल्लेबाज टिक नहीं सके। रबाडा को सीनियर गेंदबाज रबाडा की कमी भी खली, जिनको आराम दिया गया था। हर्शल गिब्स ने स्पिनर सिमन हार्मर की जगह कागिसो रबाडा को जगह देने के लिए कहा। जिससे मार्को यानसेन और एनरिक के साथ गेंदबाजों की तिकड़ी बने। ऑलराउंडर वियान मुल्डर और स्पिनर केशव महाराज अन्य गेंदबाज होंगे। उन्होंने रिक्लटन को बतौर विकेटकीपर शामिल करने के लिए कहा। उन्होंने विकेटकीपर काइल वरैयन की जगह मार्क्स एकरमेन को लाने की सलाह दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, हार्मर की जगह कागिसो रबाडा आए, जिससे तीन गेंदबाज, मुल्डर और महाराज। वरैयन की जगह एकरमैन और रिक्लटन को नीचे क्रम में कीपिंग के लिए।

नई दिल्ली

मैट रेंशॉ टेस्ट इतिहास में ऐसा करने वाले 11वें क्रिकेटर, विजय हजारे और वीरेंद्र सहवाग के नायाब क्लब में एंट्री

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-० की बढ़त कायम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में पहला टेस्ट 214 रनों से जीता। डरबन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के बल्लेबाज मैट रेंशॉ ने महफिल लूटी। उन्होंने पहली पारी में 397 गेंदों का सामना करने के बाद 190 रन जुटाए, जिसमें 21 चौके और एक सिक्स है। उन्होंने दूसरी पारी में 99 गेंदों में सात चौकों और दो छकों की मदद से 82 रन जोड़े। रेंशॉ ने मैच में कुल 272 रन जोड़े। उन्होंने अपनी कामचलाऊ स्पिन गेंदबाजी से दूसरी पारी में दो विकेट

भी हासिल किए। 30 वर्षीय रेंशॉ ने एक नायाब क्लब में एंट्री कर ली है, जिसमें विजय हजारे और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल हैं। रेंशॉ टेस्ट इतिहास में एक मैच में 250 प्लस रन बनाने और दो या उससे अधिक विकेट चटकाने वाले 11वें क्रिकेटर बन गए हैं। वह ऐसा करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। नायाब क्लब में भारत के तीन, श्रीलंका के दो जबकि ऑस्ट्रेलिया के अलावा वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान का एक-एक प्लेयर है। विजय हजारे ने 1948 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गेंदबाजी से दूसरी पारी में दो विकेट

खेल

मैट रेंशॉ टेस्ट इतिहास में ऐसा करने वाले 11वें क्रिकेटर, विजय हजारे और वीरेंद्र सहवाग के नायाब क्लब में एंट्री

उन्होंने पहली पारी में 116 और दूसरी पारी में 145 रन बटोरे। उन्होंने मैच में दो विकेट झटक थे। भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने 2००८ में चेन्नई में साउथ अफ्रीका के सामने ३०4 गेंदों में ३19 रनों की दूसरी पारी में एक-एक विकेट लिया। वीनू मांकड़ ने 1952 में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट में कुल 256 रन जोड़े। उन्होंने पहली पारी में 72 और दूसरी पारी में 184 रन बनाए। मांकड़ ने मैच में पांच विकेट लिए थे। भारत – विजय हजारे बनाम ऑस्ट्रेलिया, एडिलेड 1948 वेस्टइंडीज – फ्रैंक वॉरेल बनाम

शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 6

मैट रेंशॉ टेस्ट इतिहास में ऐसा करने वाले 11वें क्रिकेटर, विजय हजारे और वीरेंद्र सहवाग के नायाब क्लब में एंट्री

इंग्लैंड, नॉटिंघम 1950 भारत – वीनू मांकड़ बनाम इंग्लैंड, लॉर्ड्स 1952 पाकिस्तान – जावेद मियांदाद बनाम न्यूजीलैंड, कराची 1976 श्रीलंका – सनथ जयसूर्या बनाम भारत, कोलंबो 1997 भारत – वीरेंद्र सहवाग बनाम साउथ अफ्रीका, चेन्नई 2००८ श्रीलंका – तिलकरत्ने दिलशान बनाम बांग्लादेश, चटगांव 2009 इंग्लैंड – बेन स्टोक्स बनाम वेस्टइंडीज, मैनचेस्टर 2020 न्यूजीलैंड – रचिन रवींद्र बनाम साउथ अफ्रीका, माउंट माउंगानुई 2०24 साउथ अफ्रीका – वियान मुल्डर बनाम जिम्बाब्वे, बुलावायो 2025 ऑस्ट्रेलिया – मैट रेंशॉ बनाम साउथ अफ्रीका, डरबन

2०26 डरबन टेस्ट की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने रेंशॉ की शानदार बल्लेबाजी के बाद तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (49 रन देकर छह विकेट) की बदौलत मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के 421 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम 86.5 ओवर में 2०6 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका की ओर से सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने चौथी पारी में लगभग छह घंटे तक संघर्ष किया। उन्होंने 237 गेंद पर 75 रन बनाए और आउट होने वाले नौवें बल्लेबाज रहे।

श्रेयस अय्यर टॉप 5 में पहुंचे, संजू सैमसन भी चढ़े; तीन भारतीयों से घिरे साहिबजादा फरहान

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को पुरुष टी20 खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर बल्लेबाजों की लिस्ट में तीन पायदान चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहली बार टॉप 5 में एंट्री मारी है। अय्यर के खाते में फिलहाल 798 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में शतक लगाने के बाद 40 रनों की पारी खेली। अय्यर ने तीसरे टी20 में सिर्फ एक रन बनाया। पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान टॉप 5 में तीन भारतीयों से घिरे हैं। वह 883 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। भारत के ईशान किशन (9०4) शीर्ष पर काबिज हैं जबकि अभिषेक शर्मा (891) दूसरे पायदान पर हैं। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक (883) पांचवें नंबर पर हैं। फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में रिकॉर्ड 238 रन बनाए। उन्होंने हर मैच में 70 प्लस रन की पारी खेली। भारतीय टी20 टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन भी आगे बढ़े हैं। वह चार पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। संजू और न्यूजीलैंड के फिन एलन के खाते में 6०5 अंक हैं। संजू ने वेस्टइंडीज के सामने दूसरे टी20 में 82 रनों की आतिथी पारी थी लेकिन तीसरे मैच में तीन रन ही जुटा पाए। पाकिस्तान के युवा खिलाड़ी माज सदाकत श्रीलंका सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के बाद 45वें स्थान पर आ गए हैं। वह टॉप 1०0 से बाहर थे। टी2०बल्लेबाजों की रैंकिंग में सुधार करने वाले अन्य खिलाड़ियों में श्रीलंका के कुसल मंडिस (तीन स्थान ऊपर 23वें पर), वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड (13 स्थान ऊपर संयुक्त रूप से 24वें पर) शामिल हैं। टॉप 1० बल्लेबाजों में चार भारतीय हैं। उपकप्तान तिलक वर्मा (731) नौवें नंबर पर हैं। वहीं, वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज ने भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद टी2०गेंदबाजों की सूची में 24 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। वह अब 23वें नंबर पर आ गए हैं। पकिस्तान के सलमान मिर्ज़ी (नौ स्थान चढ़कर 14वें पर) और सैम अयूब (आठ स्थान चढ़कर 54वें पर) भी आगे बढ़े हैं। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं। टॉप 1० गेंदों में दो भारतीय शामिल हैं। स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल सातवें और भारत के धाकड़ पेसर जसप्रीत बुमराह दसवें नंबर पर हैं। बुमराह वेस्टइंडीज टी20 सीरीज में भारतीय स्कॉर्ड का हिस्सा नहीं हैं। रोस्टन चेज को टी2० ऑलराउंडर्स (दो स्थान चढ़कर तीसरे पर) की रैंकिंग में भी फायदा हुआ है।

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से पहले भारत खेल सकता है प्रैक्टिस मैच, गिल-बुमराह भी खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम इस महीने के अंत में लंबे दौरे के लिए न्यूजीलैंड जाएगी। जहां टीम पांच टी2०, पांच वनडे दो टेस्ट मैच खेलेंगी। भारत ने टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है लेकिन बाकी दो फॉर्मेट के लिए टीम का ऐलान होना बाकी है, जबकि न्यूजीलैंड ने टी20 और वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान पहले कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड में दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारत की टेस्ट टीम एक प्रैक्टिस मैच खेलेंगी। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच 1० नवंबर को अंतोपचारिक टेस्ट के खत्म होने के बाद दोनों टीमों के बीच 19 नवंबर से टेस्ट मैच खेला जाएगा। उससे पहले

भारतीय टीम प्रैक्टिस मैच खेलेंगी। भारत ने फरवरी 202० में न्यूजीलैंड में आखिरी टेस्ट मैच खेला था, जहां टीम को दोनों मुकामलों में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टेस्ट टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों को यहां पर टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए खिलाड़ियों को टेस्ट सीरीज से पहले प्रैक्टिस मैच से न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में ढलने में आसानी होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्म मैच होता है तो ये देखना दिलचस्प होगा कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा इस अभ्यास मैच का हिस्सा होंगे या नहीं, क्योंकि ये सभी खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का भी

वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ सूर्याश शेडगे का हो सकता है सिलेक्शन, बीसीसीआई सूत्र ने बताया क्यों है प्रबल संभावना

नई दिल्ली। 23 वर्ष के शेडगे ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेले थे और हाल ही में हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद प्रतियर्धी क्रिकेट में लौटे हैं। उन्होंने पुडुचेरी में आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अंतोपचारिक वनडे श्रृंखला में बल्ले और गेंद से प्रभावित किया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, वनडे टीम में शेडगे के चुने जाने की प्रबल संभावना है क्योंकि टेस्ट श्रृंखला में चौथे तेज गेंदबाज और निचले क्रम के बल्लेबाज के तौर पर नीतिश कुमार रेड्डी की अहम भूमिका होगी। रेड्डी सारे वनडे नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें टेस्ट श्रृंखला की तैयारी करनी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैचों की श्रृंखला के बाद पांच टी20 खेले जायेंगे जो 22 अक्टूबर से शुरू होंगे। वनडे श्रृंखला चार नवंबर को आकलैंड में शुरू होगी। बता दें कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पहले

ही हक चुके हैं कि यह सीरीज 2027 वर्ल्ड कप के लिाज से बेहद अहम होगी। भारतीय टीम अपने सभी कॉम्बिनेशन को देखना पसंद करेगी। खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को क्योंकि शिवम दुबे वनडे में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं और हार्दिक पांड्या लगातार चोटिल रह रहे हैं। नीतीश कुमार रेड्डी के अलावा ऐसे में सूर्याश शेडगे को भी देखा जा सकता है। सूर्याश शेडगे ने भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर लिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच चार नवंबर को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 7 नवंबर को भारत रेड्डी के अलावा ऐसे में सूर्याश खेला जाएगा। 1० नवंबर को तीसरा वनडे मैच खेला जाएगा। 13 नवंबर को चौथा वनडे मैच होगा और 15 नवंबर को आखिरी मैच खेला जाएगा। इस वनडे सीरीज के लिए जल्द ही भारतीय टीम का ऐलान हो सकता है। टी-20 और भारत ए की टीम का पहले ही ऐलान कर दिया गया है।

रोहित शर्मा ही नहीं, ये तीन प्लेयर भी हैं मुंबई इंडियंस की कप्तानी के दावेदार, आकाश चोपड़ा ने बताया

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 शुरू होने में लंबा वक्त है लेकिन इसको लेकर खबरें अभी से आने लगी हैं। मंगलवार को स्पोर्ट्स तक ने एक खबर छपी जिसमें बताया कि हार्दिक पांड्या के लगातार तीन सीजन खराब प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस ने यह फैसला लिया है कि उन्हें कप्तानी के पद से हटा दिया जाए। खबर में यह भी संभावना जताई गई है कि रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान नियुक्त हो सकते हैं। अगर रोहित मुंबई के कप्तान बनते हैं तो यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। इस खबर के सामने आने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंट्रेटर आकाश चोपड़ा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि मुझे नहीं पता कि यह खबर कितनी सही या गलत है। हालांकि, स्पोर्ट्स तक ने खबर पब्लिश की है तो उन्होंने



फैक्ट चेक किए ही होंगे, लेकिन अगर यह खबर सही होती है तो रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लॉन्ग टर्म कैप्टन तो नहीं होंगे। वे मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में अगले एक साल तक ही सेवा दे सकते हैं या इससे कुछ और अधिक। आकाश चोपड़ा ने रोहित शर्मा के अलावा मुंबई इंडियंस के आगामी आईपीएल सीजन के लिए अन्य संभावित कप्तानों का भी जिक्र किया। उन्होंने रोहित शर्मा के अलावा तीन

अन्य नाम भी गिनाए, जिसमें सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा कि मुंबई इंडियंस ने हमेशा से अपने कप्तान को लंबा रोप दिया है। ऐसे में अगर फेंचाइजी रोहित शर्मा से आगे का सोचती है तो सूर्यकुमार यादव को कप्तान के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने सूर्या को लेकर तर्क दिया कि वे भारतीय टीम से बाहर हैं और अन्य दूसरी जगह भी क्रिकेट नहीं खेल रहे। भारत को टी-2० विश्व कप जिता चुके हैं। ऐसे में अगर वे पूरे फोकस के साथ टीम को लीड करते हैं तो फायदा हो सकता है। उन्होंने दूसरे कैंडिडेट के रूप में तिलक वर्मा का नाम लिया और कहा कि तिलक वर्मा पहले से ही भारतीय टी-2० टीम के उप- कप्तान हैं और मुंबई उन्हें अपना लॉन्ग टर्म कप्तान देख सकती है। आकाश ने तिलक वर्मा के

बारे में भविष्यवाणी करते हुए यह भी कहा कि आज नहीं तो कल तिलक वर्मा किसी ना किसी आईपीएल फेंचाइजी के कप्तान जरूर बनेंगे।आकाश चोपड़ा ने तीसरा नाम जसप्रीत बुमराह का लिया और कहा कि बुमराह की कप्तानी में भारत ने भी मैच जीते हैं, जितने मैचों में मुंबई की कप्तानी की है उसमें भी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में अगर वर्कलोड को नहीं देखा जाता है तो जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के कप्तान बनने के दावेदार हैं। इस तरह आकाश चोपड़ा ने आगामी आईपीएल सीजन के लिए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह के रूप में मुंबई इंडियंस के चार कप्तानी के दावेदार बताए। उन्होंने पूरे भरोसे के साथ यह भी कहा कि हार्दिक पांड्या अगले सीजन के लिए मुंबई के कप्तान नहीं बनेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक उमेश कुमार तिवारी द्वारा सैटे लाईट बाबा पब्लिशिंग हाउस लि. प्लाट नं. 20/22 बादशाही रोड़ बुढ़पुर दिल्ली-11०036 से मुद्रित व बी-91 स्ट्रीट नं0 6, बापरोल्ला विहार, दास गार्डन, नई दिल्ली11०043 से प्रकाशित। सभी विवादों का निपटारा दिल्ली की सीमा में आने वाले समस्त न्यायालयों और फोरमों से किया जायेगा। D.C.P. LICENSING NO. (F2) (G11) PRESS 15 SEPT, 2009